धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

रांची, सोमवार 01 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 83

www.lagatar.in

गौरवशाली 2 वर्ष

शुभम संदेश

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

एनटीपीसी
NTPC

Pakri Barwadih
Coal Mining Project
Hazaribagh

सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित

एनटीपीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)

पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना, बड़कागांव, हजारीबाग

स्थापना की दूसरी वर्षगांठ पर

शुभम संदेश

को

शुभकामनाएं

और

इसके निरंतर बढ़ने की शुभेच्छा

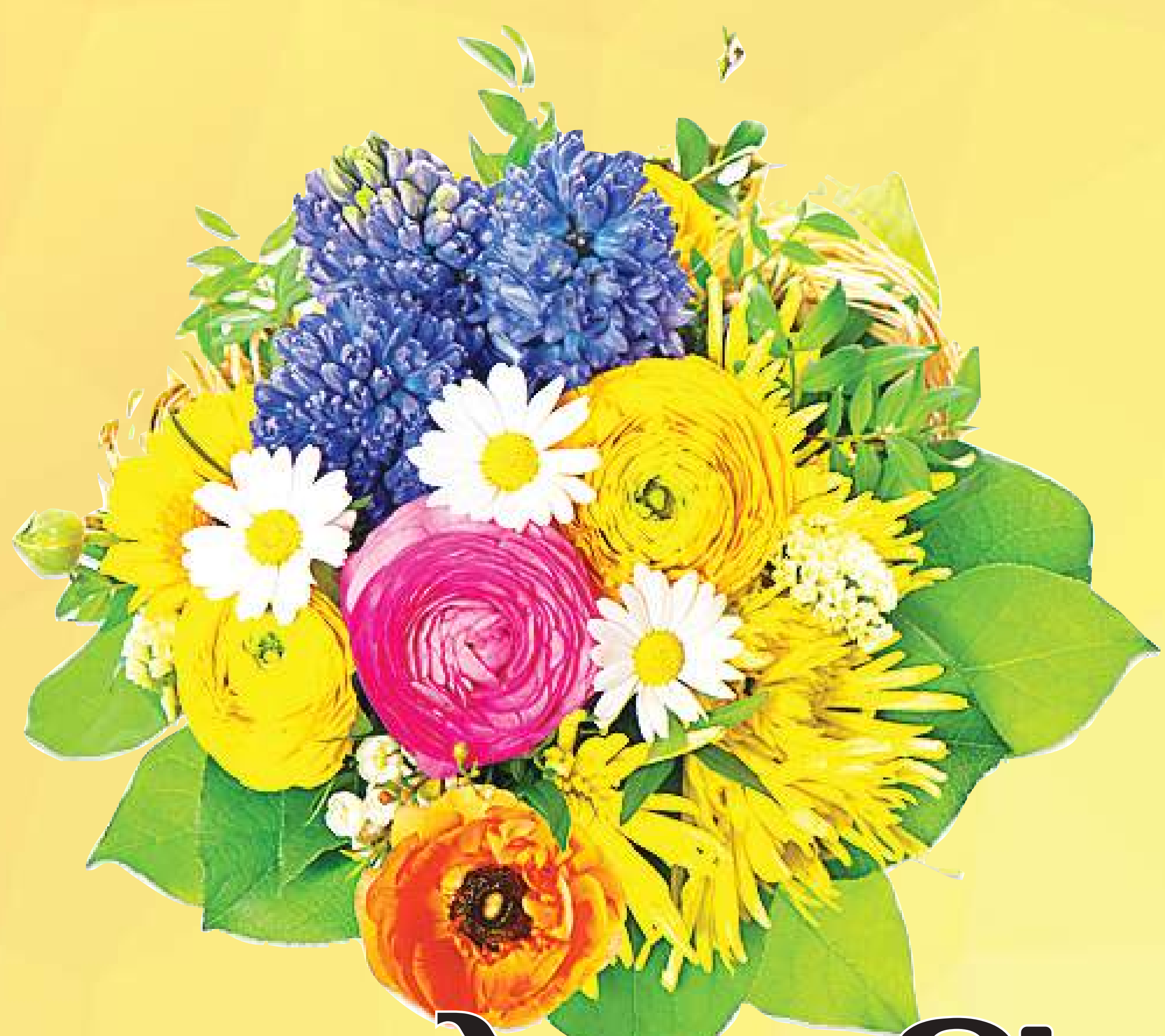

बाघमारा के शुभचिंतक

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित
रांची, सोमवार 01 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 83
www.lagatar.in

गौरवशाली 2 वर्ष

शुभम संदेश

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,600
चांदी (किलो)	93,000

ब्रीफ खबरें

जडेजा ने भी कहा टी20 क्रिकेट को अलविदा

ब्रिजटाउन। भारत के अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने भी विश्व कप जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा की तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया. जडेजा ने इंस्टाग्राम पर टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ अपनी तस्वीर डालकर लिखा ,मैं पूरी कृतज्ञता के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले रहा हूं. गर्व से सरपट दौड़ने वाले दृढ़ घोड़े की तरह मैने हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देश को दिया है और बाकी प्रारूपों में आगे भी देता रहूंगा. टी20 विश्व कप जीतना सपना सच होने जैसा था. यादों, हौसलाअफजाई और समर्थन के लिये धन्यवाद .

- खेल पेज भी देखें

देश ने सुनी पीएम मोदी के मन की बात

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार देश की कमान संभालने के बाद रविवार को अपने पहले मन की बात रेडियो कार्यक्रम में कहा कि लोगों ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव में देश के संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है. इसके लिए देश के 140 करोड़ लोगों का बहुत बहुत आभार है.

आज भी संसद में हंगामे के आसार

नयी दिल्ली। संसद की कार्यवाही के सोमवार को पुनः आरंभ होने पर, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक, अग्निपथ योजना और महंगाई जैसे मुद्दों पर जोरदार बहस होने की संभावना है. माना जा रहा है कि सरकार राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा चाहेगी, लेकिन विपक्ष नीट पेपर लीक समेत तमाम मुद्दों पर बहस का दबाव बनाएगा. संसद के दोनों सदनों जोरदार हंगामे की उम्मीद जताई जा रही है.

महाराष्ट्र में एमवीए साथ लड़ेगा चुनाव

पुणे। एनसीपी (एससीपी) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) मिल कर इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे. सीटों का बंटवारा समय आने पर बिना किसी दिक्कत के हो जाएगा.

हूल क्रांति दिवस पर भोगनाडीह से हेमंत सोरेन की ललकार

सामंती सोच वालों को उखाड़ फेंकेंगे

कौशल आनंद। रांची/भोगनाडीह

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने सामंती ताकतों के खिलाफ विद्रोह की रविवार को घोषणा की और कहा कि इंडिया गठबंधन देश से भाजपा को बाहर कर देगा. सोरेन ने हूल दिवस पर रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि जेल से मेरी रिहाई के बाद भाजपा घबरा गई है. उसके नेता फिर से मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं. रिहाई के बाद पहली बार आपसे मिलने के लिए घर से बाहर आया हूं. यह हम सभी के प्रेरणा का दिन है. अंग्रेजों के खिलाफ संथाल विद्रोह की तरह हम झारखंड ही नहीं, पूरे देश से सामंती ताकतों को उखाड़ फेंकने के लिए हूल विद्रोह का ऐलान करते हैं.

हेमंत ने कहा, मुझे झूठे मामलों में फंसाया गया. मोदी सरकार अपने खिलाफ आवाज उठाने वालों को प्रताड़ित करती है. अपनी जांच एजेंसियों को लगा देती है. मुझे जेल से बाहर आए दो दिन ही हुए हैं, लेकिन भाजपा घबराई हुई है. पार्टी के शीर्ष नेता झारखंड में बार-बार आ रहे हैं. मेरे खिलाफ फिर साजिश रच रहे हैं. झारखंड को क्रांतिकारियों की भूमि माना जाता है और हम जेल, लाठी या फांसी से नहीं डरते. मौके पर हेमंत ने सीएम चंपाई सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन के साथ क्रांति स्थल पंचकठिया में पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना की और अमर शहीद सिद्धो-कान्हू को नमन किया. फिर राज्य सरकार की योजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन एवं परिसपंत्ति वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए.

झारखंड की धरती खून से सनी है, हमें क्या डराएंगे : हेमंत ने कहा, झूठे मुद्दों पर महागठबंधन के नेताओं को फंसाया गया. इन लोगों ने किसी को नहीं छोड़ा, चाहे वह राहुल गांधी हों, केजरीवाल हों या फिर हेमंत सोरेन हो. मनगढ़ंत कहानी, फर्जी केस में फंसा कर जेल भेजा. जो इनका विरोध करेगा, उसे जेल में डाल देंगे. इनको पता नहीं कि झारखंड की धरती का इतिहास खून से सना हुआ है. शहीदों की धरती है. यहां सिद्धो-कान्हू हैं, तो भगवान बिरसा भी मुंडा हैं, चांद भैरव, नीलांबर-पीतांबर है. हमको क्या डराएंगे.

बकाया पैसा मांगा तो जेल में डाल दिया : पूर्व सीएम ने कहा, जब सरकार बनाए थे, तो खनिजों से 1 करोड़ 36,000 लाख का बकाया केंद्र के पास था. हमने मांगना शुरू किया, तो हमें जेल में डाल दिया. लेकिन हम अपना हक लेकर रहेंगे. राज्य के खनिज के लिए ऐसा कानून बनाएंगे कि यहां के खनिज पर पहला अधिकार झारखंडियों का हो.

सच्चाई को न दबाया जा सकता है न बांधा : हेमंत ने कहा, हमने 4 सालों में काम किया और उसे अंजाम तक पहुंचाया. जेल भेज देने से सच्चाई को ज्यादा देर तक दबाया नहीं जा सकता. ना बांधा जा सकता है, सच पहाड़ बन कर खड़ा होता है. ऐसा पहाड़ जिसे हिलाना सामंती सोच वालों के लिए संभव ही नहीं है.

साहिबगंज के भोगनाडीह में हूल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम चंपाई सोरेन, हेमंत सोरन, कल्पना सोरेन और अन्य.

बोले हेमंत

- जेल से निकले दो दिन भी नहीं हुए षड़यंत्रकारी फिर मेरे आगे पीछे घूमने लगे हैं
- झारखंड क्रांतिकारियों की भूमि, हम लोग जेल, लाठी या फांसी से नहीं डरते.
- ऐसा कानून बनाएंगे कि खनिज संपदा पर अधिकार झारखंडियों का होगा
- मैं डरता नहीं, जनता मेरे साथ, कल क्या आज ही कर दो विस चुनाव की घोषणा

खेत-खलियान और जमीन पर किसी का अधिकार होने नहीं देंगे : सीएम

रांची/भोगनाडीह। हूल क्रांति दिवस के मौके पर सीएम चंपाई सोरेन स्थल पर पर सिद्धो-कान्हू को नमन किया. सीएम ने कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया. चंपाई ने कहा, सिद्धो-कान्हू ने इसी धरती से अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान किया था. आज हम इन शहीदों से प्रेरणा लेते हुए संकल्प लेते हैं कि झारखंड को लूटने वालों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे. हम संकल्प लेते हैं कि अपने खेत-खलियान और जमीन पर किसी का अधिकार होने नहीं देंगे. हमारी अपनी परंपरा है. भाषा- संस्कृति है. हमने गांव बसाया है. यहां हम किसी का हुक्म चलने नहीं देंगे.

झारखंड को लूटने वालों ने हेमंत को जेल भेजा: सीएम ने कहा, लंबे समय से झारखंड को लूटने वालों ने हेमंत जैसे जननेता को जेल भेजा. इस देश में एक ताकत है,जो दलित-आदिवासी-वंचितों की बात करने वाले कभी चैन से नहीं रहने देती है. लेकिन आप लोग हमारे साथ है. हम किसी से डरेंगे नहीं, लड़ेंगे.

हमारे पूर्वजों ने अंग्रेजों को भगाया, जमीन की रक्षा की

चंपाई ने कहा, इसी धरती से सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो ने हूल की शुरुआत की थी. इस जमीन, परंपरा, आदिवासी अस्मिता को बचाने के लिए हमारे पुरखों ने लंबी लड़ाई लड़ी. इस जमीन की रक्षा की. तीर धनुष से ही पूर्वजों ने अंग्रेजों को पीछे हटाया. संथाल परगना बनाने पर विवश किया. संथाल काश्तकारी एक्ट बनाने पर विवश कर दिया.

शुभम संदेश के दो साल

एक जुलाई. हिंदी दैनिक शुभम संदेश परिवार के लिए खास दिन. दो साल पहले एक जुलाई 2022 को रांची से हमने प्रकाशन की शुरुआत की थी. अखबार के सारे पेज कलर. रांची से प्रकाशित राष्ट्रीय स्तर के बड़े और स्थापित अखबारों के समानांतर खुद को खड़ा करने का सपना. कम संसाधन और मैनपावर के साथ रोज खुद को स्थापित करने की जद्दोजहद. हर दिन एक नई चुनौती से सामना. इन दो सालों में हमने व हमारी टीम ने यह जान-समझ लिया है कि छोटे संस्थान के लिए अखबार निकालना और उसे पाठकों तक पहुंचाना, कितना मुश्किल हो सकता है और इन मुश्किलों से कैसे जूझना है.

आज शुभम संदेश की अलग पहचान है. हम अलग तरह से खबरों को पाठकों तक पहुंचाते हैं. एक ही सूत्र है- हम विपक्ष की खबरें गायब नहीं करते. हम कॉरपोरेट के आगे नहीं झुकेंगे. सरकार की कमियों को देख हम आंख नहीं मूंदते. पत्रकारिता का मापदंड भी यही है और हम इस पर खरा उतरने की कोशिश करते हैं. इन दो सालों में ऐसे तमाम मौके आए, जब हम उस वक्त विपक्ष की आवाज बने, जब अधिकांश बड़े अखबारों से विपक्ष गायब था. इलेक्टोरल बॉण्ड, हिंडेनबर्ग रिपोर्ट, मणिपुर हिंसा समेत तमाम घटनाओं पर हमने वैसे वक्त में लगातार खबरें कीं, जब अधिकांश स्थापित अखबार इन मुद्दों पर चुप रहे.

दो साल का यह सफर हमने सफलता पूर्वक पूरा किया है. प्रमोटर्स का विश्वास, पाठकों का प्यार, वितरक बंधुओं का स्नेह और विज्ञापनदाताओं के सहयोग के बिना यह संभव नहीं था. आप सबको धन्यवाद. उन सभी साथियों-सहयोगियों को धन्यवाद जो इस दो साल के सफर में साथ रहे, साथ हैं. इस दो साल के सफर में सबकी बड़ी भूमिका रही है. हम आगे भी सफर जारी रखेंगे. चुनौतियां हैं और आगे भी रहेंगी, पर, खबरों को लेकर हम अपना नजरिया कायम रखेंगे. पाठकों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे. हमें नहीं पता, कल क्या होगा. पर हमारी टीम का यह जज्बा है- मजबूती से लड़ेंगे और हारने के लिए हम लड़ते नहीं.

50% से ज्यादा की जाए आरक्षण सीमा : कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने रविवार को कहा कि संसद को एक कानून पारित करना चाहिए, ताकि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक हो सके. विपक्षी पार्टी की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब एक दिन पहले जदयू ने बिहार में आरक्षण की सीमा को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की.

बता दें कि जदयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शनिवार को बैठक हुई. जिसमें पार्टी ने हाईकोर्ट के हालिया उस फैसले पर चिंता जताई. जिसमें बिहार सरकार के एससी, एसटी और अन्य ओबीसी के आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से बढ़ा कर 65 फीसदी कर दी गई. बैठक में एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया. जिसमें जदयू ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से राज्य के कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने का अनुरोध किया, ताकि उसकी न्यायिक समीक्षा की संभावना खारिज की जा सके. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लोस चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी पार्टी कहती रही है कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण से जुड़े राज्य के कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए.

उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है कि जदयू ने यही मांग उठाई है. लेकिन उसकी सहयोगी भाजपा राज्य और केंद्र दोनों जगह इस मामले पर पूरी तरह चुप है. रमेश ने कहा, आरक्षण कानूनों को 50% की सीमा से परे नौवीं अनुसूची में लाना भी कोई समाधान नहीं है, क्योंकि 2007 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार ऐसे कानून न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं. इसके लिए संविधान में संशोधन कानून की जरूरत है.

▪ संसद को सरकार को पारित करना चाहिए इस पर कानून

तो अवधेश प्रसाद होंगे डिप्टी स्पीकर!

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी से रविवार को फोन पर बात की और संसद के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के मुद्दे पर चर्चा की. टीएमसी के शीर्ष सूत्रों की मानें तो ममता बनर्जी ने अयोध्या से समाजवादी पार्टी के नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद को डिप्टी स्पीकर बनाने का प्रस्ताव दिया है.

डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को देने की परंपरा है. लेकिन माना जा रहा है कि अवधेश प्रसाद मोदी सरकार के लिए एक कठिन प्रस्ताव हैं क्योंकि सपा सांसद ने अयोध्या (फैजाबाद) से जीत हासिल की है. ममता ने एक गैर कांग्रेसी विपक्षी उम्मीदवार का प्रस्ताव रखा है, जबकि कांग्रेस डिप्टी स्पीकर का पद चाहती थी. इधर, कांग्रेस के सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमारा विरोध प्रतीकात्मक और लोकतांत्रिक था, क्योंकि एनडीए हमें डिप्टी स्पीकर का पद नहीं दे रहा. झामुमो की सांसद महुआ माझी ने भी कहा कि अगर सरकार डिप्टी स्पीकर का पद देने पर राजी हो जाती, तो स्पीकर के लिए चुनाव नहीं कराना पड़ता.

नए क्रिमिनल लॉ लागू हत्यारों को 302 नहीं 101, रेपिस्ट को धारा 63 में सजा

अब कहीं दर्ज कराएं केस, पुलिस करेगी कार्रवाई

सौरभ सिंह। रांची

देश में एक जुलाई से नए क्रिमिनल लॉ लागू हो गए. एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो गए हैं. नए क्रिमिनल लॉ में 33 ऐसे अपराध हैं, जिनमें सजा बढ़ाई गई है. 23 ऐसे हैं, जिनमें अनिवार्य सजा मिलेगी और 83 में जुर्माना बढ़ाया गया है. आईपीसी में 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 हैं. कानून में बदलाव के साथ ही इसमें शामिल धाराओं का क्रम भी बदला है. नए क्रिमिनल लॉ में हत्यारों को 302 नहीं 101 में सजा होगी. इसी तरह कई ऐसी धारा हैं, जिनकी पहचान बदली है.

सीआरपीसी की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने ले ली है. सीआरपीसी की 484 धाराओं की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 हैं. 177 प्रावधान बदले हैं, नौ धाराएं-39 उपधाराएं हैं. भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 170 प्रावधान हैं. पुराने कानून में 167 प्रावधान थे. नए कानून में 24 प्रावधान बदले हैं.

आईपीसी की इन धाराओं की बदलेगी पहचान

जुर्म	आईपीसी	बीएनएस
देशद्रोह	धारा 124	धारा 154
हत्या	धारा 302	धारा 101
हत्या प्रयास	धारा 307	धारा 109
दुष्कर्म	धारा 376	धारा 63
मानहानि	धारा 399	धारा 356
ठगी	धारा 420	धारा 319
गैर कानूनी सभा	धारा 144	धारा 189

गैंग रेप के आरोपियों को सजा-ए-मौत

- नए क्रिमिनल लॉ लागू होने से कहीं से भी कोई व्यक्ति किसी भी थाने में जाकर मामला दर्ज करा सकता है.
- 18 साल से कम उम्र की महिला के साथ गैंग रेप के आरोपियों को मौत की सजा भी दी जा सकती है.
- 18 साल से अधिक उम्र की महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोपियों को 20 साल या आजीवन कारावास की सजा हो सकती है.

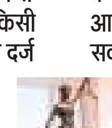

- तलाशी और जब्ती की प्रकिया में ऑडियो – वीडियो का भी उपयोग किया जाएगा.
- फॉरेंसिक जांच के लिए आईओ को हर हाल में घटनास्थल पर जाना अनिवार्य होगा.

जानें...नए क्रिमिनल लॉ में किस धारा के तहत कितने साल की सजा होगी

- वेश्यावृत्ति के उद्देश्य से बच्चे को खरीदने पर सात साल की कैद होगी और इसे 14 साल तक बढ़ाया जा सकता है.
- **संगठित अपराध गिरोह का सदस्य होने का उल्लेख है और इसमें पांच साल की अनिवार्य सजा है, जिसे आजीवन कारावास और पांच लाख रुपये से कम नहीं के जुर्माने तक बढ़ाया जा सकता है.**
- धारा 355 के तहत नशे की हालत में सार्वजनिक स्थानों पर उपस्थित होने और किसी भी व्यक्ति को परेशान करने के लिए अब 24 घंटे के लिए साधारण जेल या एक हजार रुपये का जुर्माना या दोनों या सामुदायिक सेवा का प्रावधान होगा.
- **धारा 221 लोक सेवक को उसके सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन में बाधा डालने से संबंधित है, जिसके लिए अब तीन महीने का कारावास या दो हजार और सौ रुपए का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है.**
- धारा 139 (1) में भीख मांगने के उद्देश्य से बच्चे का अपहरण करने का उल्लेख है, जिसमें अब कम से कम दस साल की कठोर कारावास की सजा होगी, लेकिन यह आजीवन कारावास और जुर्माने तक बढ़ सकती है.
- **धारा 274 बिक्री के लिए खाने या पीने वाले सामान में मिलावट करने से संबंधित है, जिसके लिए अब छह महीने का कारावास या 5 हजार रुपए का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है.**

हूल विद्रोह सबसे बड़ी क्रांति: सुदेश

प्रमुख संवाददाता। रांची

अंग्रेजी सरकार की गलत नीतियों और महाजनी प्रथा के विरोध में हुए हूल विद्रोह ने देश में आजादी की लड़ाई का शंखनाद किया था. हूल विद्रोह इतिहास की सबसे बड़ी क्रांति है, भुलाया नहीं जा सकता. संताल हूल के दौरान वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी शहादत दी. इतिहास के पन्नों में उन सभी वीर शहीदों को उचित स्थान दिलाने के लिए हम सभी को आगे आने होगा. उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने जोन्हा में हूल दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कही. उन्होंने कहा कि यह वक्त सभी झारखंडियों को एकजुट कर एक नई सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना जागृत करने की है. वीर शहीदों के स्वशासन के सपनों को साकार कर समृद्ध और खुशहाल झारखंड की परिकल्पना को पूरा करने के लिए हमें मिलकर एक नई हूल क्रांति की नींव रखनी होगी.

राज्यभर में आजसू पार्टी ने मनाया हूल दिवस : अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक हूल दिवस पर सभी जिला एवं प्रखंड में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो व अन्य क्रांतिकारी सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. मौके पर संताल विद्रोह के महानायकों की संघर्ष गाथा को याद कर उनके बलिदानों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया.रांची स्थित सिदो-कान्हू पार्क में हूल दिवस के मौके पर पार्टी पदाधिकारियों द्वारा अमर वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत सहित मौके पर केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव सुधीर यादव, भरत काशी, पारसनाथ उरांव, जलनाथ चौधरी, सतेंद्र सिंह, बनमाली मंडल, रमेश गुप्ता, विरेंद्र प्रसाद, टी के मुखर्जी मौजूद रहे.

सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव ने हेमंत सोरेन से की मुलाकात

संवाददाता। रांची

सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा, पीके पांडेय, महेंद्र पाठक, अजय सिंह, केडी सिंह, कलम रशीदी, पुष्कर महतो ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बेल पर जेल से 5 महीने के बाद बाहर आने पर मिलकर हेमंत सोरेन से मुलाकात कर शुभकामना दी. उन्होंने कहा कि संविधान और सच्चाई की जीत हुई है, भाजपा के मंसूबों पर चोट हुई है. हेमंत सोरेन के बाहर आने से इंडिया ब्लॉक मजबूत हुआ है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संकल्प लें.

पासवा: ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन के लिए बने 29 काउंटर

संवाददाता ।रांची

खेल गांव स्थित हरबंश टाना भगत इनडोर स्टेडियम में पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा दो जुलाई को झारखंड के सबसे बड़े छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी अब अपने अंतिम चरण में है. पासवा राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे, प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, प्रदेश महासचिव फलक फातिमा, प्रदेश सचिव संजय प्रसाद, संयुक्त सचिव अल्ताफ अंसारी, रांची जिला महासचिव रशीद अंसारी व मनोज कुमार भट्ट के नेतृत्व में रविवार को पासवा के पदाधिकारी एवं वॉलेंटियर्स हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम खेल गांव का दौरा किया. लगभग चार घंटे वहां रहने के उपरांत सारी तैयारियों की समीक्षा की एवं कार्यों का निष्पादन करते हुए अलग-अलग जिम्मेवारियां सौंपी गई.छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में लगे लगभग 250 वॉलिंटियर्स को विशेष ट्रेनिंग दिया गया ताकि आने वाले बच्चों को दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े.

कार्यक्रम के संबंध में पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने बताया कि झारखंड में पहली बार एक मंच पर 20000 से अधिक मैट्रिक तथा इंटर के तीनों बोर्ड में 70% या उससे अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव , खेलकूद एवं युवा मंत्री माननीय हफीजुल हसन के हाथों मेडल और मोमेंटो द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा.

प्रदेश उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा प्रतिभावान छात्र-छात्राएं रजिस्ट्रेशन तो करवा रहे हैं किंतु उसके साथ साथ छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह में ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी व्यवस्था की गई है ताकि उस दिन भी जैक सीबीएसई तथा आई सी एस सी में 70% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चों का ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन किया जा सके. वहीं, पासवा प्रदेश महासचिव डॉक्टर राजेश गुप्ता छोटू ने कहा ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन के लिए 29 से अधिक काउंटर बनवाए गए हैं और पासवा वोलेंटियर्स को स्पेशल ट्रेनिंग भी दी जा रही है कि उस दिन जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन हो सके.

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
डॉ अशोक कुमार ओड़ेया
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी किस्को, लोहरदगा

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
मोजम्मिल अहमद
झामुमो जिलाध्यक्ष लोहरदगा

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
कर्ण सिंह उर्फ टिंकू सिंह
जिला परिषद सदस्य, घाटशिला

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
देवयानी मुर्मू
जिला परिषद सदस्य, दामपाडा क्षेत्र घाटशिला

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
हलीम अंसारी
समाजसेवी, कुड़ु प्रखंड लोहरदगा

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
हूल क्रांति में शहीद हुए तमाम वीर शहीदों को शत-शत नमन
गीता मुर्मू
भाजपा नेत्री, घाटशिला
पूर्व जिला परिषद सदस्य

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
USHA COLLEGE
CONTACT:- 9334 635 208 , 9110 935 831
नामांकन जारी
NURSING • ANM • GNM • B.SC. NURSING
PHARMACY • D. PHARM • B. PHARM
PARAMEDICAL • DRESSER • D.M.L.T. • O.T. • X-RAY
College Campus
City Office
ऋतुराज सिंह
निदेशक
उषा कॉलेज

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
कल्पना बूटिक
हेवन पैलेस
आदित्यपुर बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप आदित्यपुर- 1 (सरायकेला - खरसावां) झारखंड
निवेदक :
प्रो. सुरेंद्र कुमार महतो

सच्चाई एवं पारदर्शिता के मूल्यों पर आधारित लोकप्रिय दैनिक शुभम संदेश की द्वितीय स्थापना दिवस पर सभी पत्रकारों और पाठकों को ढेरों शुभकामनाएं
आइए मिलकर अपराध और उग्रवाद पर लगाम लगाएं। शांतिपूर्ण माहौल में समृद्धि की ज्योति जलाएं।
अखिल नीतीश कुजूर
डीएसपी बेड़ो

नरकोपी थाना क्षेत्र के ग्रामीणों एवं पुलिस कर्मियों की ओर से लोकप्रिय दैनिक शुभम संदेश की द्वितीय स्थापना दिवस पर ढेरों शुभकामनाएं और बधाई।
देव प्रताप प्रधान
थाना प्रभारी नरकोपी रांची
आइए नरकोपी थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाएं।

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
अमितेश अमर
भाजपा मंडल अध्यक्ष
आरआईटी मंडल, सरायकेला खरसावां

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो की ओर से लोकप्रिय दैनिक शुभम संदेश की द्वितीय स्थापना दिवस की ढेरों शुभकामनाएं।
निदेशक : कैलाश कुमार
सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालय में नामांकन कराएं बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाएं।

लोकप्रिय दैनिक शुभम संदेश की द्वितीय स्थापना दिवस पर ढेरों शुभकामनाएं और बधाई।
रमेश प्रसाद गुप्ता
समाजसेवी सह अध्यक्ष
एकल अभियान बेड़ो
संच समिति,
गांव गांव में शिक्षा का अलख जगाता एकल विद्यालय परिवार बेड़ो प्रखंड रांची ।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल बेड़ो एवं मुरतो की ओर से लोकप्रिय दैनिक शुभम संदेश की द्वितीय स्थापना दिवस पर ढेरों शुभकामनाएं और बधाई।
ललन कुमार सिंह
विद्यासागर पब्लिक स्कूल बेड़ो एवं मुरतो।
विद्यालय में नामांकन जारी, सीमित सीट जल्द नामांकन कराएं। बहुत जल्द नामांकन प्रक्रिया बंद होगी।

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
डॉ अशोक कुमार
डायरेक्टर
संजीवनी अस्पताल, आदित्यपुर

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
कौशलेंद्र कुमार
जिलाध्यक्ष
जनता दल यूनाइटेड,
सरायकेला-खरसावां

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
विशेष कुमार तांती उर्फ बाबू तांती
जिला अध्यक्ष तृणमूल कांग्रेस सरायकेला खरसावां सह पूर्व मेयर प्रत्याशी आदित्यपुर नगर-निगम

लापुंग थाना क्षेत्र के ग्रामीणों एवं पुलिस कर्मियों की ओर से लोकप्रिय दैनिक शुभम संदेश की द्वितीय स्थापना दिवस पर ढेरों शुभकामनाएं और बधाई।
संतोष कुमार यादव
थाना प्रभारी लापुंग रांची
आइए मिलकर लापुंग थाना क्षेत्र को उग्रवाद और अपराध मुक्त बनाएं।

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
उदित यादव
जिलाध्यक्ष, युवा राजद
सरायकेला-खरसावां

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
संजय कुमार महतो
कनीय अभियंता, झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड, आदित्यपुर

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
बृजमोहन सिंह
जिलाध्यक्ष, लोकजन शक्ति पार्टी, पूर्वी सिंहभूम
चिराग पासवान
राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल हांटु बेड़ो की ओर से शुभम संदेश की द्वितीय स्थापना दिवस और वर्षगांठ पर ढेरों शुभकामनाएं
सईम हुसैन
निदेशक प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल हांटु बेड़ो।
भीखराम उरांव
प्राचार्य प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल हांटु बेड़ो।
ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अलख जगाता प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल हांटु बेड़ो। नामांकन जारी है। जल्द करें।

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
नीतू शर्मा
पूर्व पार्षद सह समाज सेविका
वार्ड नंबर 17
नगर निगम आदित्यपुर

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
पूजा पांडेय
डायरेक्टर ब्लू बेल्स प्ले स्कूल
एवं सोशल मीडिया प्रभारी
महिला पतंजलि योग समिति
सरायकेला-खरसावां

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
राम प्रवेश कुमार
क्षेत्रीय पदाधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, आदित्यपुर कार्यालय

धनबाद, सोमवार 01 जुलाई 2024 ● आषाढ़ कृष्ण पक्ष 09 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 83 www.lagatar.in

गौरवशाली 2 वर्ष

शुभम संदेश

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

एक राज्य - एक अखबार

ब्रीफ खबरें

सिद्हो-कान्हू की प्रतिमा का अनावरण

गोविंदपुर। हूल दिवस के अवसर पर रविवार को पूर्वी गोविंदपुर के गोरगोरो में वीर शहीद सिद्हो-कान्हू की प्रतिमा का अनावरण जिप सदस्य सह झामुमो नेत्री लक्ष्मी मुर्मू ने किया. अनावरण के बाद लक्ष्मी मुर्मू ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस प्रतिमा का निर्माण स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से किया गया है. मौके पर उन्होंने कहा कि सिद्हो-कान्हू संथाल विद्रोह के जनक थे. उनकी प्रतिमा स्थापित कर ग्रामीणों ने सराहनीय कार्य किया है. मौके पर निर्मल कुमार मंडल, रामेश्वर मुर्मू, पायका मुर्मू, कालीचरण मुर्मू, सुकल टुडू, सदानंद किस्कू, चांद मुर्मू, सुकलाल टुडू, दुगाई मुर्मू, अजय मुर्मू, सुशील हेंब्रम, किस्कू हेंब्रम, इस्माइल हेंब्रम, गुरुपद तुरी समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

तेज रफ्तार कार ने बोलेरो पिकअप में मारी टक्कर

लोयाबाद। लोयबाद-कतरास मुख्य मार्ग पर रविवार को पंचायत भवन के पास खड़ी बेलेरो पिकअप वाहन में तेज रफ्तार फोर्ड कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि फोर्ड कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. कार के चालक बाल-बाल बच गए.

दो पक्षों में मारपीट एक घायल

तेतुलमारी। तेतुलमारी थाना क्षेत्र के एनटीसी-4 नम्बर में शनिवार की देर रात आपसी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट होने से एक पक्ष के गुड्डू कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए. घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया. जख्मी गुड्डू कुमार ने वहीं के रहने वाले पांच लोगों के खिलाफ मारपीट करने एवं रुपया छीनने का आरोप लगाकर तेतुलमारी थाना में शिकायत की है. वहीं इस संबंध में पूछे जाने पर तेतुलमारी थानेदार लव कुमार चौधरी ने बताया कि अभी तक इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है.

गड़बड़ी : साढ़े पांच करोड़ की लागत से ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन कर रहा काम

मानसून की पहली बारिश में ही टूटा निर्माणाधीन पुल का गाडर

- अरगा नदी पर बन रहा पुल, निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल

संवाददाता। गिरिडीह

फतेहपुर-भेलवाघाटी सड़क में भेलवाघाटी के डुमरीटोला व कारीपहरी गांव के बीच अरगा नदी पर बन रहा पुल मानसून की पहली बारिश को भी नहीं झेल पाया. शनिवार की देर शाम में हुई मूसलाधार बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ गया. नदी की तेज बहाव में निर्माणधीन पुल का गाडर टूट कर गिर गया. एक पिलर भी टेढ़ा हो गया. स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार तेज बारिश के दौरान रात तकरीबन आठ बजे पाया टेढ़ा हो गया था. इस दौरान तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गाडर टूट कर नदी में गिर गया. आवाज इतनी तेज हुई कि आसपास के घरों में रहने वाले लोग भयभीत हो गए. जानकारी के मुताबिक पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल गिरिडीह द्वारा साढ़े पांच करोड़ प्राक्कलित राशि से पुल बनाई जा रही

है. कार्य एजेंसी ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन द्वारा कार्य करवाया जा रहा था. पहली बारिश में ही पुल का गडर टूट कर गिरने से लोग निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रहा है.

एसएनएमएमसीएच परिसर में ढ़लाई गिरा दो मजदूर घायल

धनबाद। एसएनएमएमसीएच के समीप पीजी बिल्डिंग में ढ़लाई गिरने से दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई. घायल मजदूरों को एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है. घटना के वक्त वहां दर्जनों मजदूर काम कर रहे थे. गनीमत रही कि सिर्फ दो घायल हुए, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था.

एसएनएमएमसीएच के समीप पीजी बिल्डिंग में ढ़लाई काम चल रहा था. इस दौरान अचानक ढलाई गिर गया. हालांकि मजदूरों का कहना है कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण ढ़लाई गिरा है. हमलोगों ने कई बार सेफ्टी उपकरणों की मांग ठेकेदार से की , लेकिन उपलब्ध नहीं कराया गया. हमलोग जान जोखिम में डालकर ऊंचाई पर कार्य करते हैं. ऐसे में सेफ्टी बेल्ट पहन कर कार्य करना जरूरी है. निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को सेफ्टी बेल्ट के साथ-साथ जूते, हेल्मेट, दास्ताना, व अन्य सामान प्रदान किया जाना जरूरी है. प्रबंधन की अनदेखी की वजह से कभी भी बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता.

ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर किया सड़क जाम

संवाददाता। महुदा

महुदा मोड़ स्थित फॉर लेन सड़क पर कांड्रा पंचायत सचिवालय के समीप रविवार की अहले सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से ट्रैक्टर में टक्कर मार दिया, जिससे ट्रैक्टर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. तारगा बस्ती निवासी ट्रैक्टर चालक का नाम किशना राय है. घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजा की मांग को लेकर शव नहीं उठाने दिया और बोकारो-धनबाद सड़क मार्ग जाम कर दिया. हादसे की खबर पाकर महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार सदलबल

मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को सड़क पर से हटाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे.

ट्रैक्टर चालक ट्रॉली में ईंट लेकर बंगाल जा रहा था. कांड्रा के पास वह तेल डलवाने के लिए ट्रैक्टर को मोड़ रहा था, तभी पीछे से ट्रक ने टक्कर मार दिया. करीब 6.30 बजे सांसद प्रतिनिधि शत्रुघ्न महतो घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की. वार्ता में महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार, भाजपा नेता धनेश्वर महतो, पूर्व जिप सदस्य संतोष कुमार महतो और राजेश महतो भी शामिल थे. वार्ता में बीमा राशि एवं ट्रक मालिक से आर्थिक सहयोग दिलाने का अश्वासन मिलने पर ग्रामीणों ने सड़क जाम करना बंद कर दिया. तत्काल सरकारी सहायता राशि के तौर पर 20 हजार रुपये नगद मृतक के भाई बड़े भाई राजनारायण राय को दिया गया. मृतक परिवार को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष धनेश्वर महतो समेत संतोष महतो, राजेश महतो, पप्पू गोप, मधुसुदन मिश्रा ने भी आर्थिक सहयोग किया. करीब 7.30 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया..

आर्म्स एक्ट का आरोपी पुलिस हिरासत से फरार

संवाददाता। मधुबन

खरखरी कोलियरी चानक में फीडर से बिजली सप्लाई को लेकर खरखरी व बेहराकुदर बस्ती के बीच हुई हिंसक झड़प मामले में फरार चल रहे एक नामजद अभियुक्त को मधुबन पुलिस ने रविवार को वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा. हालांकि बाद में युवक पुलिस को चकमा देकर भाग निकला.

रविवार को मधुबन पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान आरोपी सूरज पांडेय भी बाईक लेकर वहां पहुंच गया. पुलिस सूरज को देखते ही पहचान गई लेकिन वह चकमा देकर बाईक आगे बढ़ा दिया. इससे मधुबन थाना का जे एस आई को पैर में चोट भी लग गई. लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया और थाने ले आई.

सूत्र के अनुसार आरोपी युवक के लिए

जमकर पैरवी भी पहुंचने लगी इसी में पुलिस थोड़ी सी ढीली हुई और सूरज मौका पाकर फरार हो गया. हालांकि फरार होने के पीछे चर्चाओं का बाजार गर्म है. बता दें कि बिजली के विवाद को लेकर बीते 1 जून को पुलिस के मौजूदगी में थाने के समक्ष दोनों पक्ष भिड़ गये. इस दौरान मारपीट के दौरान आधा दर्जन फायरिंग की गई . बाद में इस मामले में पुलिस ने दो अलग अलग प्राथमिकी दर्ज की थीं. पहली प्राथमिकी कोईरीडीह निवासी राकेश रोशन की लिखित शिकायत पर खरखरी के शेख गुड्डू, शेख डब्लू, बजरंगी पासवान, शेख जहाँगीर, जीतू यादव समेत अन्य 150 अज्ञात लोगों के विरुद्ध हरवे हथियार से लैस होकर जानलेवा हमला करना, मोटरसाइकिल को क्षतिग्रस्त करना तथा आर्म्स एक्ट के तहत कांड अंकित किया गया था. जबकि दूसरी प्राथमिकी मधुबन थाना प्रभारी जय प्रकाश की लिखित शिकायत पर खरखरी पर शेख गुड्डू, बजरंगी पासवान, शेख जहाँगीर, शेख मोबिन, लक्की मियां, नितेश पासवान, बाल्मीकि पासवान, पंकज भुइया, सूरज पांडेय, सिद्धू पासवान सहित 150 अज्ञात लोगो के विरुद्ध दर्ज हुई थी.

टी-20 क्रिकेट फाइनल देखने में चली गोलियां, मची भगदड़

संवाददाता। केंदुआ

वर्ल्ड कप टी-20 फाइनल मैच के प्रसारण के वक्त दो गुटों की वर्चस्व की लड़ाई में शनिवार की आधी रात को केंदुआ रामनवमी अखाड़ा परिसर गोलियों की तड़तड़ाहट गूंज गई. पांच की संख्या में आये आपराधिक गिरोह के युवकों ने चार आर्म्स से सात राउंड गोली चलाकर दहशत फैला दी. गोली चलने की बात की चर्चा स्थानीय लोग तो कर रहे हैं, पर पुलिस इसकी पुष्टि नहीं कर रही. बाजार के लोग फाइनल मैच का बड़े टीवी स्क्रीन पर ओपन प्रसारण देख रहे थे, इन लोगो में भगदड़ मच गई. घटना के बाद प्रसारण बन्द कर दिया गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जिस वक्त गोली चल रही थी, उस समय मैच का रोमांच चरम पर था. दक्षिण अफ्रीका की बैटिंग के दो ओवर शेष बचे थे. तभी पुलिस फाइल में फरार चल रहे कुख्यात अपराधी विशाल वर्णवाल गुट ने मोनू चौधरी पर हमला करते हुए गोलियां दागना शुरू कर दी. कुछ लोगों ने बीच बचाव किया तो विशाल ने मोनू को दांत काट लिया. इनको छुड़ाने में सोनू जयसवाल को भी दांत काट लिया.विशाल व उसके गुट के युवकों ने मोनू के घर पर भी हंगामा किया. गाली देते हुए धमकी दी. घटना की खबर मिलते ही केंदुआडीह पुलिस घटनास्थल पर पहुंची व स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस के आने के पहले ही विशाल व उसके साथी भाग निकले. घटनास्थल से एक खोखा मिलने की खबर की चर्चा है.

पुरानी अदावत के कारण बढ़ा बवाल : केंदुआ रामनवमी अखाड़ा में रात साढ़े 11 बजे चली गोली के पीछे विशाल- मोनू के बीच पूर्व की अदावत के साथ वर्चस्व स्थापित करने के दहशत फैलाना बताया जा रहा है. करीब पांच वर्ष पूर्व एक क्रिकेट मैच को लेकर विशाल व मोनू के बीच झगड़ा हुआ था. शनिवार की रात केंदुआ रामनवमी अखाड़ा में टी 20 वर्ल्ड कप मैच के फाइनल का 6×4 फ़ीट एलईडी टीवी स्क्रीन पर 150 लोग प्रसारण देख रहे थे. इसी समय रात 10 बजे विशाल व मोनू में बकझक व हाथापाई हो गयी. लोगों ने दोनों को अलग कर दिया. इसके बाद विशाल ग्वाला पट्टी व गनसाडीह के युवकों से सम्पर्क कर हथियार समेत पुनः रामनवमी अखाड़ा पहुंचा व मोनू से भिड़ गया व उसके साथ आए लोगों ने दनादन गोलियां दागनी शुरू कर दी. इसके भयभीत होकर लोग दौड़कर भाग निकले.

हूल दिवस पर सिद्हो-कान्हू व चांद-भैरव को नमन

गोमो। तोपचांची के गोमो रोड स्थित जागेश्वर मेडिकल परिसर में आजसू तोपचांची इकाई की ओर से रविवार को हूल दिवस के अवसर पर हूल क्रांति के महानायक सिद्हो-कान्हो, चांद-भैरव और फूलो-झानो की तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन किया. मौके पर आजसू के जिला संगठन सचिव सदानंद महतो ने कहा कि हूल क्रांति के महानायक ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ते हुए शहीद हुए थे. आज का दिन प्रेरणा से भरा दिन है. हम सभी को उन शहीदों के बताए मार्ग पर चलना चाहिए. अगर हमलोग उनके बताए रास्ते पर चलेंगे तो यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी. श्रद्धांजलि देने वालों में आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार महतो, जिला संगठन सचिव सदानंद महतो, केंद्रीय सदस्य दयालचंद्र महतो, विनोद बिहारी महतो, शिव शंकर शर्मा, विनोद महतो, रमेश कुमार जायसवाल, योगेश महतो, रुद्रनी देवी, रीना देवी, प्रियंका देवी, मधुसूदन महतो समेत दर्जनों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे.

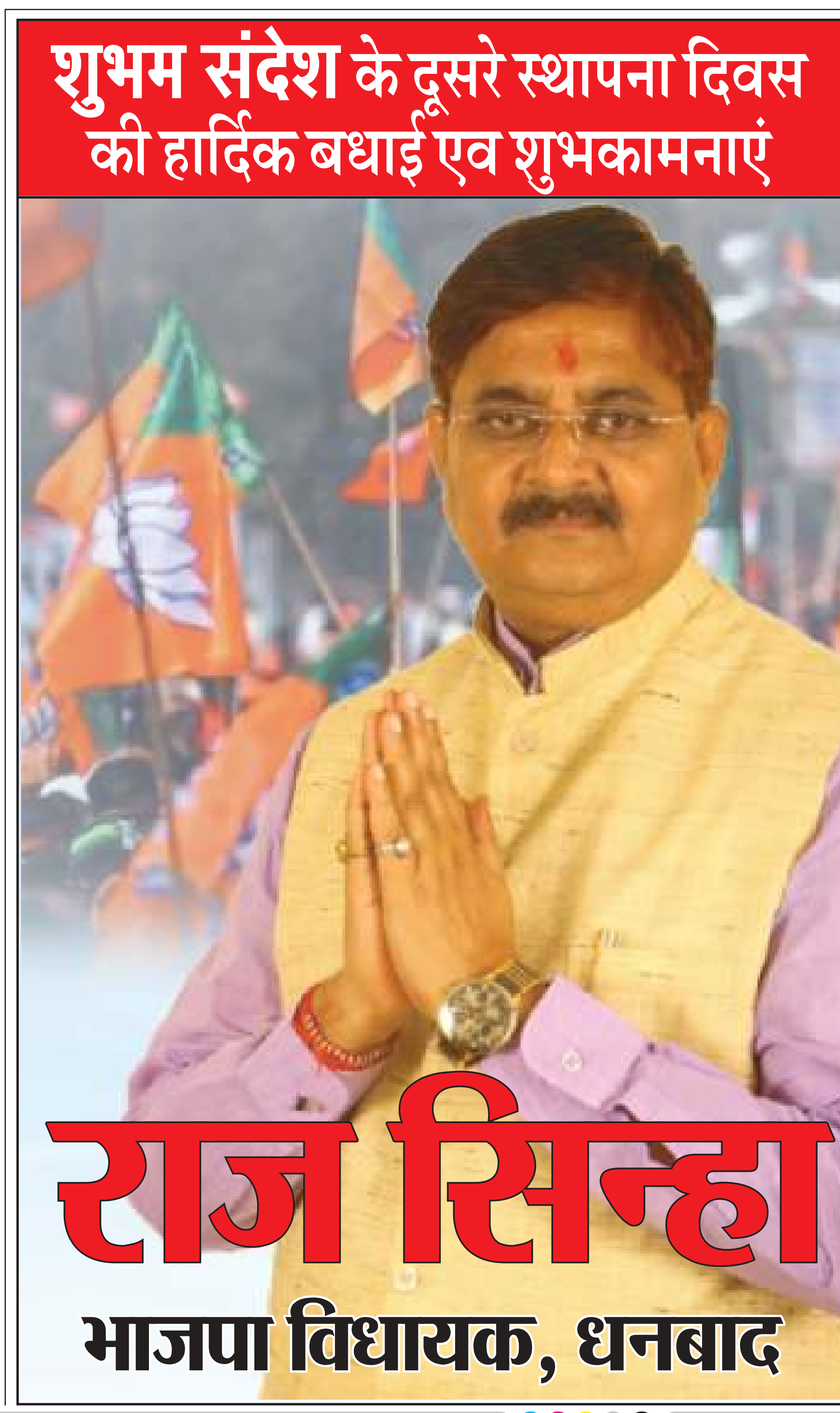

आउटसोर्सिंग में ब्लास्टिंग से घर क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में आक्रोश

ब्लास्टिंग नहीं रुकने पर आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता । झरिया

एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में रविवार की दोपहर जोरदार ब्लास्टिंग होने से बागडिगी इलाके के धौड़ा में उदय पासवान का घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. ब्लास्टिंग के डर से वहां रहने वाले लोग अपने-अपने घरों से निकल भागे. स्थानीय लोगों का कहना है कि हमलोग परेशान हैं, लेकिन पूछताछ करने कंपनी का कोई अधिकारी नहीं आए. इस वजह से कंपनी के प्रति स्थानीय लोगों में आक्रोश है. वहीं इस संबंध में पूछे जाने पर लोदना के सुरक्षा अधिकारी डीके मीणा ने कहा कि घटना की जानकारी नहीं है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में आए दिन ब्लास्टिंग किए जाने से पत्थर उड़कर आसपास के घरों पर गिरता है. ग्रामीणों के आंदोलन करने पर प्रबंधन घटना की पुनरावृत्ति नहीं होने का आश्वासन देता है, लेकिन फिर ब्लास्टिंग शुरू हो जाती है, जिसका खामियाजा हमलोगों को भुगतना पड़ता है. इसी शनिवार को लोदना 6 नंबर के समीप जोरदार ब्लास्टिंग हुई थी, जिसके कारण पत्थर छिटक कर सड़क पर जा गिरा था. ग्रामीणों ने हंगामा भी किया. हंगामे की खबर सुनकर लोदना के परियोजना पदाधिकारी ग्रामीणों से वार्ता करने पहुंचे. उन्होंने ग्रामीणों को सुरक्षित तरीके से ब्लास्टिंग किये जाने का आश्वासन दिया था. इधर 24 घंटे के अंदर फिर ब्लास्टिंग हुई. बार-बार ब्लास्टिंग किए जाने से परेशान धौड़ा और लोदना 6 नंबर समेत आसपास के लोगों का कहना है कि प्रबंधन अपनी हरकत में सुधार नहीं करेगा तो ग्रामीण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे.

अवैध उत्खनन की सूचना पर अवैध मुहानों को किया बंद

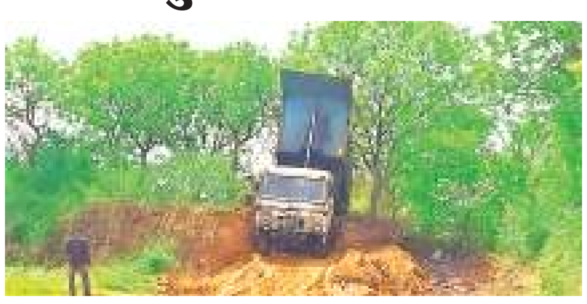

खास बातें

- जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हरकत में सभी थाना प्रभारी

संवाददाता । कतरास

रामकनाली ओपी अंतर्गत केशलपुर बस्ती के समीप कई अवैध मुहानों को बीसीसीएल ने रामकनाली थाना पुलिस एवं सीआईएसएफ जवानों के सहयोग से बंद कराया. अवैध माइंस की भराई करने पहुंचे अधिकारियों की टीम का नेतृत्व रामकनाली कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी इलियास अंसारी ने किया. उन्होंने बताया कि यहां अवैध उत्खनन किए जाने की सूचना मिली थी. जेसीबी एवं डोजर की सहायता से मुहाने को बंद कर दिया गया है. बता दें कि शनिवार को समहरणालय सभागार में उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई थी. बैठक में उपायुक्त ने चिन्हित हॉटस्पॉट पर लगातार छापेमारी कर एफआईआर दर्ज एवं डोजरिंग करने का निर्देश दिया था. डीसी के निर्देश के बाद सभी थाना प्रभारी एवं संबंधित अधिकारी अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए हरकत में आ गए हैं. उसी निर्देश के तहत मुहानों को बंद किया गया है.

दुर्घटना को हत्या का रूप देकर फंसाने का आरोप

तिलैया गांव के सैकड़ों लोग पहुंचे कसमार थाना, बेगुनाहों को परेशान नहीं करने की लगाई गुहार

संवाददाता। कसमार (बोकारो)

कसमार- पेटरवार मुख्य सड़क में मंगलवार की रात फार्मटांड़ के पास हुई मंजुरा निवासी मिथिलेश कुमार महतो की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के मामले में तिलैया के ग्रामीण रविवार को कसमार थाना पहुंचे. इस दौरान एक पक्ष के द्वारा हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार को थाना का घेराव करते हुए हंगामा किया था और एक सप्ताह के अंदर मामले का पर्दाफाश करने की बात कही गई थी. अब इस घटना में जिन युवकों से पुलिस पूछताछ कर रही है, उसके परिजनों ने रविवार को कसमार थाना पहुंचकर सड़क दुघर्टना को एक पक्ष द्वारा झूठा हत्या का मामला दर्ज कर बेवजह परेशान करने का आरोप लगाया गया है. थाना में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे दूसरे पक्ष के लोगों ने कसमार थाना प्रभारी भजन लाल महतो से मामले की निष्पक्ष जांच करते हुए इस मामले का जल्द उद्भेदन करने की बात कही. जरीडीह थाना क्षेत्र के तिलैया निवासी विवेक कुमार महतो पर इस घटना में पुलिस प्रशासन द्वारा बेवजह परेशान करने की बात कही गई. थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि 25 जून को मृतक मिथिलेश अपने घर से कसमार के सुईयाडीह बिजली का काम करने गया था. जब युवक देर रात घर नहीं पहुंचा तो स्वजनों के खोजबीन के दौरान सड़क किनारे एक बाईक मिली और उसी के कुछ दूरी पर मृतक का शव मिला. इस घटना में एक युवक सुमित कुमार प्रजापति पर हत्या का आरोप लगाया गया है. जबकि अन्य किसी भी युवकों पर कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन इस घटना के बाद बेवजह अन्य युवकों पर पुलिस प्रशासन बार-बार थाने बुलाकर परेशान कर रही है. इस घटना से युवकों के परिजन भयभीत हैं. जिस कारण मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं. विवेक कुमार महतो ने थाने में बताया कि इस मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है, ना ही जिस युवक पर मृतक के पिता द्वारा हत्या का मामला दर्ज किया गया है ,उससे कोई सरोकार है. मामले में थाना पहुंचे ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए बताया कि मामले की एक-एक बिंदु पर पुलिस काम कर रही है. कोई भी निर्दोष व्यक्ति को मामले में फंसाया नहीं जायेगा. पुलिस की जो प्रक्रिया है, उसी के आधार पर अन्य युवकों से पुलिस पूछताछ कर रही थी. एक सप्ताह में घटना का उद्भेदन कर लिया जायेगा.

ब्रीफ खबरें

कबड्डी में चतरा प्रथम सेक्टर नौ बोकारो द्वितीय

दुगदा। पंडित बागेश्वरी पांडेय सरस्वती विद्या मंदिर दुगदा में 35 वां प्रांतीय खो-खो एवं कबड्डी प्रतियोगिता 2024 का समापन रविवार को हुआ. कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय मंत्री राम अवतार नारसरिया, प्रांतीय खेल संरक्षक सुरेश मंडल, धनबाद विभाग प्रमुख विवेक नयन पांडेय, विद्यालय के सचिव ऋषिकांत तिवारी एवं प्रधानाचार्य रामाकांत राणा ने संयुक्त रूप से हनुमंत पूजन, दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन कर किया. तीन दिवसीय खो-खो एवं कबड्डी प्रतियोगिता में बाल वर्ग भैया कबड्डी में प्रथम स्थान चतरा, द्वितीय 9डी बोकारो और तृतीय स्थान देवनगर दुगदा को प्राप्त हुआ.

भाजपा नेता ने किया पौधरोपण

गिरिडीह। भाजपा नेता दिनेश यादव ने शहर के धरियाडीह स्थित आवास के बगल में रविवार को पौधारोपण किया और लोगों से पेड़ लगाने की अपील की. मौके पर उन्होंने कहा कि मां और प्रकृति निःस्वार्थ प्रेम का प्रतीक है. देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया गया है. पीएम नरेंद्र मोदी के इस आह्वान पर सभी लोग मातृ शक्ति के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण अवश्य करें. वृक्ष की कमी के कारण प्रत्येक वर्ष तापमान बढ़ता ही जा रहा है. उसे कम करने के लिए पेड़ लगावें. मौके पर नवीन सिन्हा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे.

जेंडर आधारित क्विज प्रतियोगिता

बोकारो। जेंडर आधारित क्विज प्रतियोगिता कसमार प्रखंड की किशोरियों के बीच सहयोगिनी संस्था द्वारा आयोजित की गई. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि किशोरी तथा लड़कियों के बीच जेंडर को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए किशोरी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. यह प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की गई.

सड़क दुर्घटना में बाईक सवार की मौत

डुमरी। निमियाघाट थाना क्षेत्र के खांकीकला के समीप रविवार की संध्या एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई. हालांकि स्थानीय लोगों ने शव को 108 एंबुलेंस से रेफरल अस्पताल ले गये, जहां से पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले ली. घटना के संबंध में बताया जाता है कि असुरबांध निवासी किशोरी महतो का 22 वर्षीय पुत्र प्रकाश महतो इसरी बाजार से अपनी बाइक से अपने घर वापस लौट रहा था.

झामुमो कार्यालय में मनाया गया हूल दिवस

गिरिडीह। हूल दिवस के मौके पर झामुमो जिला कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित की गई. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू मौजूद थे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि अंग्रेजों की बर्बरता और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले हर क्रांतिकारी को हूल दिवस पर नमन. कहा कि यह दिवस हर बर्बरता और अत्याचार के खिलाफ़ आवाज उठाने का प्रतीक है.

हूल दिवस पर सीएम, पूर्व सीएम ने बरहेट में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

सामंती ताकतों के खिलाफ होगा विद्रोह : हेमंत सोरेन

संवाददाता। साहिबगंज

बरहेट प्रखंड में झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने 'सामंती ताकतों' के खिलाफ 'विद्रोह' का एलान किया. उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का गठबंधन-इंडिया, देश भर से भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगा. हूल दिवस के मौके पर झारखंड के साहिबगंज में रैली को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा. उन्होंने कहा कि मेरी रिहाई के बाद भाजपा के खेमे में घबराहट है. भाजपा नेता एक बार फिर उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि रिहाई के बाद पहली बार वे अपने घर से बाहर निकले हैं. यह सभी के लिए प्रेरणा का दिन है. वहीं हेमंत सोरेन ने दशकों पहले ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ संथाल विद्रोह का जिक्र करते हुए कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ जैसा विद्रोह हुआ, उसी तर्ज पर हम न केवल झारखंड वासियों बल्कि पूरे देश से सामंती ताकतों को खदेड़ने के लिए 'हूल विद्रोह' की घोषणा करते हैं. उन्होंने कहा कि यह दिन अंग्रेजों के खिलाफ 1855 के संथाल विद्रोह का प्रतीक है.

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू और फूलो-झानो को श्रद्धांजलि देने के लिए हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन और झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह के पंचकठिया पहुंचे थे. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन एवं महागमा विधायक दीपिका पांडे सिंह, राजमहल सांसद विजय हांसदा ने साहिबगंज जिले के बरहेट स्थित भोगनाडीह में सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि दी. हूल दिवस पर चंपाई सोरेन और हेमंत सोरेन के साथ मंत्री बसंत सोरेन, महगामा विधायक दीपिका सिंह पांडेय, सांसद विजय हांसदा सहित अन्य नेता भी पंचकठिया पहुंचे थे.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन का कमिशनर लालचंद डाडेल, दुमका प्रक्षेत्र के डीआईजी संजीव कुमार, उपायुक्त हेमंत सती, एसपी कुमार गौरव ने हेलीपैड पर बुके देकर स्वागत किया. इसके बाद जवानों ने सीएम को गार्ड ऑफ ऑनर दिया. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित अन्य ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. सीएम ने फूलो-झानो की प्रतिमा का अनावरण किया. इसके बाद सभी पंचकठिया स्थित क्रांति स्थल पहुंचे और पुष्प अर्पित कर नमन किया. नेताओं ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात भी की. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन सोरेन जिंदाबाद, झामुमो जिंदाबाद के नारे लगाए.

भाजपा नेताओं की पुलिस प्रशासन के साथ नोंक-झोंक

साहिबगंज। बरहेट प्रखंड में हूल दिवस पर झामुमो और भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग समय पर मशाल जुलूस निकाला. दोनों दलों के नेताओं ने ये जुलूस सिदो कान्हू के शहीद स्थल पंचकठिया से निकाला था. इस दौरान बीजेपी नेताओं की पुलिस प्रशासन के साथ हल्की नोंक झोंक हुई. हुआ यूं कि जब पार्टी कार्यकर्ताओं का दल हॉस्पिटल गेट के पास पहुंचा तो पुलिस प्रशासन ने आगे जाने से रोक दिया. जिसका पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसका जोरदार विरोध किया. 15 मिनट तक यहां पर हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा. इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की. इसके बाद प्रशासन ने सभी को आगे जाने दिया. वहीं साहिबगंज भाजपा जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन झामुमो के इशारे पर काम कर रही है. झामुमो कार्यकर्ताओं ने हेमलाल मुर्मू के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला. सभी कार्यकर्ता अपने-अपने हाथों में मशाल लेकर पंचकठिया से पैदल भोगनाडीह के लिए निकले थे. पूर्व मंत्री हेमलाल ने कहा कि सिदो कान्हू के शहीद स्थल पर पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए सभी कार्यकर्ता अपने-अपने हाथों में मशाल लेकर जुलूस के रूप में भोगनाडीह पहुंचे हैं.

विवाहिता ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

पुरुलिया। जिले के रघुनाथपुर अनुमंडल के पाड़ा थाना क्षेत्र के अनाड़ा स्थित श्यामपुर गांव में करीब 28 वर्षीया रिया चक्रवर्ती प्रसाद नामक गृह वधू ने गले में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पुरुलिया हतुयारा मेडिकल कालेज अस्पताल भेज दिया. इस मामले में बताया जाता है कि शनिवार देर संध्या रिया चक्रवर्ती श्यामपुर (ससुराल) स्थित एक कमरे में झूलती हुई देखी गई. ससुराल के लोगों ने तुरंत उसे फंदे से उतार कर रघुनाथपुर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस मामले को लेकर तहकीकात में जुट गई है. समाचार लिखे जाने तक घटना के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया था.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

गांडेय (गिरिडीह)। ताराटांड़ थाना क्षेत्र के अहिल्यापुर मोड़ से गांडेय मुख्य सड़क पर लुकैया के पास शनिवार देर रात सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई. मृतक की पहचान बदगुंदा पंचायत के जीतजोरा गांव निवासी 43 वर्षीय चुन्कु हेमब्रम के रूप में की गई. जानकारी के अनुसार मृतक अपने ससुराल सिरसिया गांव शादी समारोह में शामिल होने गया था. शादी समारोह से वापस अपना घर पैदल आ रहा था. इसी क्रम में अहिल्यापुर-मोड़ से गांडेय मुख्य सड़क पर लुकैया गांव के समीप अज्ञात वाहन ने चुन्कु हेम्ब्रम को अपने चपेट में ले लिया, जिससे चुन्कु हेम्ब्रम की मौत घटनास्थल पर ही हो गई. मृतक मजदूरी का काम करता था और अपने घर परिवार का भरण पोषण करता था.

बिनोद चोपड़ा बने रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष

बोकारो। रोटरी सत्र 24-25 के लिए रोटरी क्लब चास की नई टीम 1 जुलाई से पदभार ग्रहण कर लेगी. रोटरी क्लब चास के सत्र 24-25 के लिए बिनोद चोपड़ा, अध्यक्ष, मुकेश अग्रवाल सचिव एवं धनेश बंका को कोषाध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है. नव निर्वाचित अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा एवं सचिव मुकेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि रोटरी क्लब चास, समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक अपनी सेवा कार्यों से पहुंच बनाएगी. बिनोद चोपड़ा ने कहा कि रोटरी क्लब चास बोकारो की अग्रणी सामाजिक संस्था है, इसके स्वरूप को और व्यापक किया जाएगा. रोटरी क्लब चास की नई टीम में संजय बैद, विनय सिंह, कमल तनेजा, मनोज चौधरी, डॉ परिंदा सिंह, पूजा बैद, डिंपल कौर, मंजीत सिंह, चनप्रीत सिंह, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप, नरेंद्र सिंह, डॉ सुमन कुमार निदेशक के रूप में कार्य करेंगे. निवर्तमान अध्यक्ष पूजा बैद एवं सचिव डिंपल कौर ने नई टीम के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की.

वृक्षों के बगैर अस्तित्व मिट जायेगा : शशि भूषण

बोकारो। 'स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान' की बैठक में रविवार को सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मानसून में संस्थान के सदस्यों द्वारा ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण एवं आमजन को पौधों का वितरण कर उन्हें पौधरोपण करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा. संस्थान द्वारा 'माता शिलवंती स्मृति वाटिका' का निर्माण किया जाएगा, जिसमें संस्थान के सभी सदस्यों सहित आमजन को भी अपनी मां की स्मृति में एक-एक पौधा लगाने हेतु आग्रह किया जाएगा. मां की याद में पौधरोपण करने वालों को संस्थान द्वारा पौधा प्रदान करने का निर्णय लिया गया . इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने कहा कि पौधरोपण के प्रति आमजन में जागृति पैदा करने हेतु पर्यावरण-मित्र रथ द्वारा प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा जगह-जगह छोटी. छोटी सभाओं के माध्यम से सबों को यह समझाया जाएगा कि वृक्षों के बगैर हमारा अस्तित्व ही मिट जाएगा क्योंकि ऑक्सीजन इन्हीं से मिलता है.

संथाल विद्रोह के नायकों को दी गई श्रद्धांजलि

गावां (गिरिडीह)। गावां हाट बाजार परिसर में हूल दिवस धूमधाम से मनाया गया. बीस सूत्री क्रियान्वयन सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार सिंह सहित छात्र संगठनों, आदिवासी संगठनों ने संथाल हूल के नायक शहीद सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने सुदूरवर्ती इलाकों से ग्रामीण पहुंचे थे. आदिवासी महिलाओं ने पारंपरिक रीति- रिवाज से सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की. मौके पर आदिवासी महिला, पुरुष और छात्र-छात्राओं ने अतिथियों को गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया. वहीं झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने भी सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया.

दामोदर नदी में चार युवकों को ग्रामीणों ने डूबने से बचाया

अचानक जलस्तर बढ़ने से नदी के मझधार में फंसे

संवाददाता। बोकारो

दामोदर नदी में रविवार को चार युवक नहाने के दौरान डूब गए, जिसे स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाया गया. घटना बोकारो जिले के हरला थाना क्षेत्र के बरुआ घाट के दामोदर नदी की है. बताया जा रहा है कि रविवार को दामोदर नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाने के कारण नहाने के दौरान चार युवक नदी के मझधार में फंस गए और डूबने लगे. इस दौरान बरुआ घाट में नहा रहे सैलानियों की भी संख्या काफी थी. चारों युवकों को डूबता देख नहा रहे लोगों ने शोर मचाया. जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से चारों युवकों को नदी की मझधार से बाहर निकाला गया और 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा गया. चारों युवक खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं. स्थानीय लोग और जोहार पार्टी के ग्रामीणों ने कहा कि आए दिन इस तरह की घटना हर साल होती है, जब दामोदर नदी का जलस्तर बढ़ जाता है. उन्होंने कहा कि तेनुघाट डैम का फाटक खुलने से दामोदर नदी का जलस्तर बढ़ता है. ऐसे में जिला प्रशासन को इसपर पहल करना चाहिए.

आदिवासियों के बलिदान का प्रतीक है हूल दिवस : सचिन

बोकारो। संथाल की पुण्यभूमि से हूल का शंखनाद अन्याय और दासता से मुक्ति की विजयगाथा उन नायकों का पवित्र स्मरण आज भी हम सबों का मार्गदर्शन करता है. उक्त बातें आजसू पार्टी के बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन महतो ने चास के आई टी आई, मोड़ स्थित वीर शहीद सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही. उन्होनें कहा कि आज ही के दिन 30 जून 1855 में अंग्रेजों के खिलाफ हमारे महान क्रांतिकारी सिद्धो-कान्हू, चांद- भैरव, फुलो-झानो ने संथाल परगना के साहिबगंज जिले भोगनाडीह गांव से अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का ऐलान किया था, जिसमें सिद्धो-कान्हो ने करो और मरो का नारा एवं अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का नारा दिया थो. इसी बहुजन आंदोलन को हम हुल दिवस के रूप में मनाते हैं. इस अवसर पर चास नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 03 स्थित फुदनीडीह में लक्ष्मण शर्मा, कुंदन शर्मा, अनुज रजवार, विक्रम मुंडा, अर्जुन माँझी, आदित्य शर्मा, सहित अन्य ने आजसू पार्टी पर आस्था और विश्वास रखते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

सांसद ढुल्लू महतो का मजदूर करेंगे 7 जुलाई को अभिनंदन

संवाददाता। बोकारो

बीएसएल के ठेका मजदूरों की मांगों को लेकर प्रस्तावित हड़ताल की तैयारी को लेकर रविवार को बैठक बांधगोड़ा साइट में हुई. बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन अध्यक्ष साधु शरण गोप ने कहा कि ठेका मजदूरों के ज्वलंत मांगों को लेकर बीएसएल में 11 जुलाई को हड़ताल का नोटिस दिया गया है. लेकिन प्रबंधन बेखबर है. वहीं ठेका मजदूरों में आक्रोश बढ़ते जा रहा है. ठेका मजदूर चाहते हैं कि मेडिकल के नाम पर छंटनी बंद हो, कट मनी बंद हो, प्लांट में निधन पर आश्रित को एक नियोजन मिले. साधु ने कहा कि ठेका मजदूर सेल की रीढ़ हैं. फिर भी उनके खिलाफ साजिश हो रही है. मजदूरों ने निर्णय लिया है कि नव निर्वाचित सांसद ढुल्लू महतो का 7 जुलाई को सेक्टर 12 क्लब में अभिनंदन करेंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता घनश्याम गोप ने किया. मौके पर संदीप कुमार आश, जीसी गोप, उमाशंकर गोप, सपन रजवार, के रजवार, सुभाष दास, सुफल बाउरी, डी गोप, ए गोप, बाबू लाल, अजीत गोप, लालदेव गोप, छोटे लाल गोप, शंकर गोप, एम रजवार के अलावे अन्य लोग उपस्थित थे.

पारसनाथ पुतरीगढ़ डैम निर्माण के लिए ग्रामीणों की बैठक

सीएम, मंत्री, सांसद, विधायक को भेजा जायेगा पत्र

संवाददाता। डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी के पुतरीगढ़ की तराई पुतरीगढ़ डैम निर्माण संघर्ष समिति डोकवा चढाई में रविवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम को लेकर पारसनाथ पुतरीगढ़ डैम निर्माण संघर्ष समिति तथा आसपास के पंचायतों के ग्रामीणों की एक बैठक समिति के अध्यक्ष चन्द्रदेव वर्णवाल चन्दु की अध्यक्षता में हुई. जिसका संचालन समिति के सचिव जितेन्द्र दास (नगरी के मुखिया) ने किया. बैठक में समिति के पदाधिकारियों सहित आसपास के दर्जनों गांवों के सैंकड़ों लोग उपस्थित हुए. इस दौरान सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव लिया गया. जिसमें पुतरीगढ़ डैम निर्माण संघर्ष समिति के पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों का एक हस्ताक्षरयुक्त आवेदन मुख्यमंत्री झारखंड, गिरिडीह सांसद एवं डुमरी विधायक सह मंत्री एवं गिरिडीह विधायक को देकर पारसनाथ की तराई में अवस्थित पुतरीगढ नाले में डैम बनवाने की मांग की जायेगी. वहीं गिरीडीह लोकसभा क्षेत्र एवं सटे अन्य लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा के विधायक को भी प्रतिलिपि प्रेषित कर पारसनाथ पहाड की तराई में अवस्थित पुतरीगढ में डैम बनाने से संबंधित आवाज उठाने का आग्रह कर विभागीय अधिकारियों को सूचित किया जायेगा. झारखंड प्रदेश के राज्यसभा सदस्यों को प्रतिलिपि देकर केन्द्र सरकार को पहल करने का आग्रह किया जायेगा. वहीं प्रत्येक महीने के द्वितीय व अंतिम रविवार को समिति की बैठक करने का निर्णय लिया गया. बैठक को दिनेश महतो, पिंटु कुमार, निर्मल महतो, रामलाल साहु, सोमर महतो, अर्जुन महतो (मुखिया लोहेडीह), समिति के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष महतो, कोषाध्यक्ष शिवकुमार महतो, रामेश्वर महतो, बजल हेम्ब्रम आदि ने भी सम्बोधित किया. इस दौरान गोपाल मंडल, रोहित सिंह, कालीचरण महतो, चेतलाल सिंह, सुनिल टुडू, महेंद्र, पंडित, विनोद कुमार दास, महेन्द्र पंडित, हीरालाल टुडू, मंटु कुमार, मनोज महतो, नौशाद अंसारी, महेन्द्र साव, जिबरैल अंसारी, रामकुमार महतो, मोहसिन अंसारी, महेश्वर घासी आदि उपस्थित थे.

नए तेवर में विपक्ष

नए तेवर और नयी ताकत के साथ विपक्ष सत्ता पक्ष के लिए एक चुनौती बनता प्रतीत हो रहा हैं. लोकसभा के भीतर और बाहर जिस आत्मविश्वास का विपक्षी दलों के नेताओं ने अब तक प्रदर्शन किया है, वह दस सालों के बाद भारत की राजनीति को नया आयाम दे रहा है. आने वाले समय में मोदी एवं उनकी सरकार को न केवल एक मजबूत व एकजुट, बल्कि बेहतर रणनीति बनाकर आये हुए विपक्ष के साथ भिड़ना होगा. 2014 एवं 2019 की भांति कमजोर प्रतिरोध कम से कम इस लोकसभा में मोदी-भाजपा के नसीब में नहीं होने जा रहा है. जरूरत इस बात की है कि पक्ष-विपक्ष दोनों ही तरफ़ के सदस्य संसदीय परम्परा व गरिमा को ख्याल में रखते हुए लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करें. इसमें लोकसभा और राज्य सभा के अध्यक्षों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है. पक्षपात करने वाले निर्णयों से उन्हें बचना होगा. विपक्ष के अनेक सदस्यों ने ओम बिरला को ध्यान दिलाया है कि पिछले कार्यकाल में उन्होंने विपक्ष को बोलने का अवसर कम दिया. विपक्ष के नेता का माइक जिस तरह बंद कर दिया गया, वह चिंता का विषय है.

लोकसभा अध्यक्ष ने सफाई देते हुए कहा कि माइक का स्वीच उनके पास नहीं होता है. सवाल उठता है तो फिर वह कौन है, जो विपक्षी नेताओं के माइक को बार-बार बंद कर देता है. इस पर जितनी जल्द स्पष्टता हो, लोकतंत्र के लिए बेहतर होगा. इसके साथ ही विपक्ष ने जनमुद्दों को ले कर जो तेवर दिखाया है, उसे लोकसभा और राज्यसभा में व्यक्त होने का प्रर्याप्त अवसर दिए जाने की जरूरत है. पिछली लोकसभा की तरह थोकभाव में सदस्यों के निलंबन की घटना दोबारा नहीं हो, इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए. सरकार की तरह विपक्ष भी जनता की आवाज़ होता है और इस बार जनता की आवाज़ बड़ी बनकर सदन में उपस्थित हुआ है. राहुल गांधी की इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. प्रतिपक्ष की आवाज को दबे नहीं बदले हुए हालात में अध्यक्ष को ध्यान में रखना चाहिए. लोकसभा का बदला स्वरूप एक हकीकत है और आने वाले समय में विपक्ष की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है. स्वस्थ विमर्श का अवसर पैदा करना दोनों पक्षों की समान जिम्मेदारी है. इस तथ्य को बार-बार याद करने की जरूरत है कि जनता ने किसी भी दल को बहुमत नहीं दिया है, यानी मनमानी करने का अधिकार किसी को भी है. जनता नीतियों में बदलाव के साथ सभी दलों के बीच समन्वय करके चलने की इच्छा जाहिर कर चुकी है. अब यह सत्ता पक्ष पर निर्भर है कि वह नए सदन की भावना को किस तरह अभिव्यक्ति देना चाहता है. शुरुआती लक्षण तो यही दिख रहा है कि सरकार जनता के संदेश को सही तौर से समझने के बजाय सत्ता की निरंतरता में पुरानी हनक छोड़ने को तैयार नहीं है. राज्यसभा में भी पहले दिन ही ऐसा देखने को मिला कि सत्ता पक्ष अठारहवीं लोकसभा के संदेशों को समझने के बजाय पुरानी प्रवृत्ति पर ही चलना चाहती है, लेकिन लोकसभा का समीकरण इस तरह की प्रवृत्ति के पक्ष में नहीं है.

> पिछली लोकसभा की तरह थोकभाव में सदस्यों के निलंबन की घटना दोबारा नहीं हो, इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए. सरकार की तरह विपक्ष भी जनता की आवाज़ होता है और इस बार जनता की आवाज़ बड़ी बनकर सदन में उपस्थित हुआ है.

सुभाषित

राजा राष्ट्रकृतं पापं राज्ञः पापं पुरोहितः।
भर्ता च स्त्रीकृतं पापं शिष्य पापं गुरस्था॥

राष्ट्र के अहित का जिम्मेदार राजा का पाप होता है, राजा के पाप का जिम्मेदार उसका पुरोहित (मन्त्रीगण) होता है, स्त्री के गलत कार्य का जिम्मेदार उसका पति होता है और शिष्य के पाप का जिम्मेदार गुरु होता है. शासक के गलत कार्यों का परिणाम पूरे राष्ट्र को भुगतना पड़ता है.

उत्तर में राहुल गांधी, दक्षिण में प्रियंका

कांग्रेस ने अभी से 2029 की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है. इसी रणनीति के तहत कांग्रेस प्रियंका गांधी को केरल की वाडनाड सीट से चुनाव लड़वाएगी. आनेवाले समय में प्रियंका गांधी दक्षिण भारत में जोर लगाएंगी, तो राहुल गांधी उत्तरी भारत खासकर हिंदी हार्टलैंड में दम दिखाएंगे. दिलचस्प बात यह है कि दक्षिण की राजनीति में प्रियंका गांधी का स्वागत भी शुरू हो गया है. इससे इनके अनुकूल संभावनाएं जगने लगी हैं.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी दो लोकसभा सीट वायनाड और रायबरेली से मैदान में उतरे थे और उन्हें इन दोनों ही सीटों पर भारी मतों से जीत भी मिली. इसके बाद 17 जून को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आधिकारिक घोषणा भी कर दी कि राहुल गांधी रायबरेली से सांसद रहेंगे और प्रियंका अपना पहला चुनाव केरल की वायनाड सीट से लड़ेंगी. प्रियंका गांधी ने भी कहा कि इस सीट पर भले ही राहुल न हों, लेकिन कांग्रेस उनकी कमी महसूस नहीं होने देगी. उनके इस बयान में 1999 की सोनिया गांधी की एक झलक नजर आती है. दरअसल सोनिया गांधी ने चुनावी राजनीति में एंट्री दक्षिण भारत की सीटों से ही ली थी. उस दौरान कर्नाटक की बेल्लारी सीट से नामांकन भरते हुए उन्होंने भी कुछ ऐसा ही बयान दिया था. सोनिया ने उस वक्त कहा था, इस बार मैं बेल्लारी से मैदान में उतर रही हूं, दक्षिण भारत हमेशा मेरी सास को प्रिय रहा है. अब ऐसा लग रहा है कि प्रियंका भी उसी भूमिका में हैं. प्रियंका को दक्षिण की वायनाड सीट से उम्मीदवार उतारा जा रहा है. ये कांग्रेस के लिए उत्तर से लेकर दक्षिण तक पार्टी को बढ़ाने का अच्छा मौका होगा. दिलचस्प बात यह है कि दक्षिण की राजनीति में प्रियंका गांधी का स्वागत भी शुरू हो गया है. दरअसल उनके वायनाड से मैदान में उतरने की खबरे आने के बाद ही केरल में कांग्रेस की साथी आईयूएमएल के नेताओं ने कहा है कि प्रियंका के वायनाड से चुनाव लड़ने से गठबंधन को ताकत मिलेगी.

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने उत्तर के कुछ राज्यों में पहले दो चुनाव की तुलना में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है. इतना ही नहीं, कांग्रेस को भी पिछले चुनाव से ज्यादा सीटें मिली हैं. ऐसे में कांग्रेस अब दक्षिण के राज्यों में अपनी बढ़त बनाने की कोशिश में लगी है. माना जा रहा है कि आने वाले समय में राहुल उत्तर में और प्रियंका दक्षिण में पार्टी को आगे बढ़ाने पर करने पर काम करेंगी. बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने दक्षिण राज्यों पर पूरी तरह फोकस किया था. पीएम मोदी ने भी तमिलनाडु जैसे राज्यों में बहुत जोर लगाया, लेकिन तमाम रैलियों और रणनीतियों के बाद भी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश छोड़ दिया जाए, तो बाकी राज्यों में पार्टी का बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा. वहीं दूसरी तरफ इन राज्यों में कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन ने क्लीन स्वीप किया. अगर कांग्रेस दक्षिणी राज्यों में बेहतर रणनीति के साथ आती है, तो अगले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी को फायदा हो सकता है.

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल को मिलाकर दक्षिण भारत में लोकसभा की कुल 129 सीटें हैं. इस बार भाजपा को इनमें से केवल 29 सीटें मिली हैं. तमिलनाडु में अन्नामलाई का जादू नहीं चला और भाजपा के लिए दरवाजे ही नहीं खुले. लेकिन, तमिलनाडु को छोड़ दिया जाए तो भाजपा चार राज्यों में खाता खोलने में सफल रही. इन राज्यों में सबसे अहम केरल है. लेफ्ट के गढ़ में कमल खिलाना भाजपा के लिए बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है. इसके साथ ही पार्टी का वोट शेयर भी बढ़ा है. प्रियंका गांधी को वायनाड से उम्मीदवार बनाने के पीछे कांग्रेस का गेम प्लान कई रणनीतिक उद्देश्यों पर आधारित हो सकता है. इसमें से एक है केरल में कांग्रेस की पकड़ मजबूत करना. दरअसल वायनाड केरल में स्थित है, जहां पर कांग्रेस का अच्छा प्रभाव है. ऐसे में अगर वहां प्रियंका जीतती हैं, तो वह केरल में कांग्रेस को और मजबूती दे सकती हैं और पार्टी के प्रति जनता का समर्थन बढ़ा सकती हैं. इसके अलावा पार्टी के गेम प्लान में दक्षिण भारत में समर्थन बढ़ाना भी शामिल है. दक्षिण भारत में फिलहाल भाजपा मजबूत स्थिति में नहीं है. इस लोकसभा चुनाव में भी उनका प्रदर्शन बहुत बेहतरीन नहीं रहा है, ऐसे में प्रियंका गांधी की उम्मीदवारी से कांग्रेस को दक्षिण भारत में एक नया चेहरा मिल सकता है, जो पार्टी की छवि को सुधार सकता है और समर्थन बढ़ा सकता है. देखा जाए, तो इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को यह पता चल चुका है कि अगर वह बेहतर प्लान और एकजुटता के साथ मैदान में उतरती है, तो उसके प्रदर्शन में सुधार आ सकता है. राहुल गांधी उत्तर के राज्यों में कांग्रेस को मजबूत करने पर काम कर सकते हैं. इसके लिए पहले तो पार्टी को अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना होगा. फिलहाल कांग्रेस को स्थानीय नेताओं को सशक्त बनाने और उन्हें महत्वपूर्ण भूमिका देने की जरूरत है. अगर पार्टी ऐसा करती है, तो उन्हें स्थानीय लेवल पर मजबूती मिलेगी. इसके अलावा पार्टी सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकती है. इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, और किसान समस्याओं जैसे कई महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे उठाए और उन्हें उनका फायदा भी मिला. कांग्रेस युवाओं और महिलाओं को पार्टी में ज्यादा भागीदारी दे सकती है और उनकी आवाज को प्रमुखता देने का प्लान बना सकती है. कांग्रेस को अपने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के आदर्शों को मजबूती से प्रस्तुत करना होगा और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना होगा.

प्रियंका गांधी अब तक सीधे तौर पर तो किसी भी लोकसभा या विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार के रूप में नहीं उतरीं, लेकिन वह कांग्रेस पार्टी की प्रमुख नेताओं में शामिल हैं. चुनाव के दौरान पार्टी के प्रचार और संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही. प्रियंका गांधी को 2019 लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव नियुक्त किया गया था. उन्हें पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया, जहां उन्होंने कांग्रेस के लिए व्यापक प्रचार किया. प्रियंका गांधी ने साल 2022 में हुए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की तरफ से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने यूपी में व्यापक प्रचार अभियान भी चलाया और लड़की हूं, लड़ सकती हूं जैसे नारों के साथ महिलाओं और युवाओं को पार्टी से जोड़ने का प्रयास किया. हालांकि यूपी विधानसभा चुनाव में प्रियंका का जादू बिल्कुल नहीं चला था.

(ये लेखक निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष सुज़

ईश्वर की सत्ता

आपने मान लिया जो वस्तुएं या बातें मानव को खुश करती हैं, बस वे ही बातें ईश्वर को खुश करती होंगी. आप पूजा-पाठ-प्रसाद-कीर्तन-भक्ति यह मानकर अर्पित करते हैं कि वह खुश होगा और खुश होकर आपको बिना पुरुषार्थ के ही वांछित फल दे देगा. जब ऐसा नहीं होता तो आप रूठ जाते हैं और नास्तिक बन लेते हैं. पर इन सब बातों से उसे कोई सरोकार नहीं हैं. उसने तो सभी तरह से सशक्त, सुचारू, न्यायिक व क्रियाशील नियम लागू कर छोड़े हैं. एक ऐसे पिता की वसीयत की तरह कि जो गुणवान सद्चरित्र पुरुषार्थी पुत्र होगा, उसे उसी के अनुसार लाभ मिलता रहेगा. जो अवगुणी दुश्चरित्र प्रमादी होगा, उसे नुकसान भोगना होगा. दिखावा या शॉर्टकट का किसी को कोई भी लाभ न होगा. प्रलोभन तो उसको चलेगा ही नहीं. निराकार की कल्पना करके भी आप लोग तो मानवीय स्वभाव से ऊपर उठकर, ईश्वर की समुचित अभिन्न कल्पना तक नहीं कर पाए. कभी-कभार कर्म पर विश्वास करके भी पुनः आप कह उठते है 'जैसी उसकी इच्छा'. अरे! वह हर इच्छा से परे है, हर आवश्यक्ता से विरत, हर प्रलोभन और क्रोध से मुक्त. उसने प्रकृति के नियमों की तरह ही अच्छे बुरे के अच्छे बुरे फल प्रोग्रामिंग कर छोड दिये हैं. सर्वांग सुनियोजित महागणित के साथ. कोई वायरस इस प्रोग्राम को जरा भी प्रभावित करने में सक्षम नहीं. इस प्रकार ईश्वर निराकार निर्लिप्त है. अब आपको प्रश्न होगा कि जब वह एक सिस्टम है या निराकार निर्लिप्त है, तो उसे पूजा,कीर्तन,भक्ति और आस्था की क्या आवश्यकता? किन्तु आवश्यकता उसे नहीं हमें है, मित्रों. क्योंकि वही मात्र गुणों का स्रोत है, वही हमारे आत्मबल का स्रोत है. सभी के मानस ज्ञान गम्भीर नहीं होते, प्राथमिक आलंबन की आवश्यकता तो रहेगी ही. सुफल पाने के लिए गुण अंगीकार करने होंगे. गुण उपार्जन के लिये पुरुषार्थ की प्रेरणा चाहिए होगी. यह आत्मबल हमें आस्था से ही प्राप्त होगा. गुण अपनाने है तो सदैव उन गुणों का महिमा गान करना ही पडेगा. पूजा भक्ति अब मात्र सांकेतिक नहीं, उन गुणों को स्मरण पर जीवन में उतारने के रूप में करनी होगी. गुण अभिवर्धन में चुक न हो जाय, इसलिए नियमित ऐसी पूजा-भक्ति की आवश्यक्ता रहेगी. श्रद्धा हमें इन गुणों पर आसक्त रखेगी. और हमारे आत्मविश्वास का सींचन करती रहेगी. ईश्वर जो भी है जैसा भी है, इसी तरह हमें मनोबल, बुद्धि और विवेक प्रदान करता रहेगा. अन्ततः पुरूषार्थ तो हमें ही करना होगा. सार्थकता इसी श्रद्धा में निहित है. श्रद्धा और पुरुषार्थ ही सफलता के सोपान है.

इंडिया गठबंधन के लिए अगले तीन माह अहम

• सामयिकी

नित्य चक्रवर्ती

24 जून को 18वीं लोकसभा का प्रथम सत्र शुरू हुआ, जिसमें तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी और एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही उनकी पार्टी भाजपा के लिए दो अशुभ संकेत मिले. पहला, देश के सभी क्षेत्रों के लाखों छात्रों से जुड़ी नीट परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने का बड़ा घोटाला और दूसरा अयोध्या में नये मंदिर की छत से पानी का रिसाव, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने इस साल 22 जनवरी को किया था. राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने उसी दिन शिकायत की, जिस दिन प्रधानमंत्री अपने भाजपा संसद सदस्यों को नयी सरकार के कार्यक्रम के बारे में संबोधित कर रहे थे. विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए, पहला दिन भारतीय संविधान की प्रति लेकर मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन के रूप में चिह्नित किया गया था, क्योंकि संविधान की रक्षा 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया के घटकों के चुनाव अभियान का मुख्य बिंदु था. मौजूदा सत्र में भी विपक्षी दल नरेंद्र मोदी शासन के पिछले दस वर्षों में हुए लोकतंत्र के पिछड़ने की प्रक्रिया को उलटने के लिए संघर्ष करेंगे. वास्तव में, संयुक्त विपक्ष के लिए, वर्तमान अवधि न केवल लोकसभा चुनावों में हासिल की गयी बढ़त को मजबूत करने के लिए बल्कि इंडिया ब्लॉक का विस्तार करने के लिए भी एक अच्छा समय है, जिसमें कुछ और राजनीतिक दल शामिल हैं जो 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद खुद को भाजपा से दूर कर रहे हैं, भले ही वे हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन करते थे. तात्कालिक महत्व की पार्टी है ओडिशा का बीजू जनता दल (बीजेडी), जिसे 2024 के लोकसभा चुनावों में लोकसभा में कोई सीट नहीं मिली और विधानसभा चुनावों में भी भाजपा ने उसे हरा दिया. बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने चुनाव के बाद की स्थिति की गहन समीक्षा की है. उन्होंने भाजपा के साथ अपनी पिछली सहमति को खत्म करने का फैसला किया है और अपने नौ राज्यसभा सांसदों को विपक्ष के साथ समन्वय करने और नीतियों पर नरेंद्र मोदी सरकार से लड़ने का निर्देश दिया है. यह इंडिया ब्लॉक के लिए एक सकारात्मक विकास है, क्योंकि 2024 के चुनावों तक, नवीन पटनायक एनडीए के साथ समझ बनाये हुए थे, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी के साथ. बीजद ने महत्वपूर्ण विधेयकों पर सरकार के पक्ष में मतदान किया, लेकिन 24 जून को, बीजद सुप्रीमो ने अपने पिछले रुख से एक तेज बदलाव का संकेत दिया और राज्यसभा सदस्यों से एक मजबूत और जीवंत विपक्ष के रूप में काम करने के लिए कहा, जो केंद्र को सभी मुद्दों पर जवाबदेह बनायेगा. बीजद सुप्रीमो के रुख में यह बदलाव मौजूदा सत्र में राज्यसभा में विपक्ष के कामकाज पर असर डालेगा. राज्यसभा में बीजद के नौ सदस्य हैं. वर्तमान में, 245 सदस्यों वाले सदन में इंडिया ब्लॉक के 85 सदस्य हैं. यदि बीजेडी सदस्य इसमें शामिल होते हैं, तो यह संख्या 94 हो जायेगी. इसके अलावा, वाईएसआरसीपी के पास राज्यसभा में 11 सदस्य हैं. वाईएसआरसीपी सुप्रीमो ने उनसे बात की है और उनसे भी इंडिया ब्लॉक के साथ सहयोग करने की उम्मीद है. उस स्थिति में, विपक्ष की ताकत 105 हो जायेगी. इससे वर्तमान राज्यसभा में विपक्ष की ताकत में काफी वृद्धि होगी. बीजेडी और वाईएसआरसीपी के सदस्यों ने पहले ही टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं से बात की है. टीएमसी सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा में सीट रखने वाली कुछ और छोटी पार्टियां भी मौजूदा संसद सत्र में इंडिया ब्लॉक के साथ सहयोग करने में रुचि रखती हैं. कांग्रेस के बारे में कुछ मुद्दा है, जिसे सुलझाना होगा. इंडिया ब्लॉक के बाहर की कुछ पार्टियों को राज्य से संबंधित मुद्दों के कारण अभी कांग्रेस से सीधे बात करने में संकोच है. इंडिया ब्लॉक टीएमसी और डीएमके जैसी किसी अन्य पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों को उनसे बात करने के लिए नामित कर सकता है. विपक्ष का उद्देश्य नये क्षेत्रों में अपना आधार बढ़ाना होना चाहिए, ताकि भाजपा से बेहतर तरीके से मुकाबला किया जा सके. भाजपा की चुनावी हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थोड़े हताश हैं. लेकिन इंडिया ब्लॉक को भाजपा के लिए बदलाव लाने की उनकी क्षमता को कम नहीं आंकना चाहिए. प्रधानमंत्री की टीम ने पहले ही खामियों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और राजनीतिक स्तर के साथ-साथ सरकारी स्तर पर भी सुधारात्मक उपाय करने का प्रस्ताव रखा है. उम्मीद है कि सरकार के कुछ उपाय जल्द ही सामने आयेंगे. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> वर्तमान में, 245 सदस्यों वाले सदन में इंडिया ब्लॉक के 85 सदस्य हैं. यदि बीजेडी सदस्य इसमें शामिल होते हैं, तो यह संख्या 94 हो जायेगी. इसके अलावा, वाईएसआरसीपी के पास राज्यसभा में 11 सदस्य हैं. वाईएसआरसीपी सुप्रीमो ने उनसे बात की है और उनसे भी इंडिया ब्लॉक के साथ सहयोग करने की उम्मीद है. उस स्थिति में, विपक्ष की ताकत 105 हो जायेगी.

नये आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन दिक्कतें

• विमर्श

के.पी. सिंह

तीन नये आपराधिक कानून, अर्थात् भारतीय न्याय संहिता 2023 (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 (बीएसए) 1 जुलाई, 2024 से लागू होने जा रहे हैं. भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड़ ने आपराधिक प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के उद्देश्य से बनाए गए नए कानूनों की सराहना की है और उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जबकि कानूनी बिरादरी के एक वर्ग ने इन कानूनों के कुछ प्रावधानों की अनिश्चितता, अस्पष्टता और संवैधानिकता के बारे में गम्भीर चिंता जताई है. ममता बनर्जी सहित विपक्षी राजनीतिक दल मांग कर रहे हैं कि नये अधिनियमों को तब तक स्थगित रखा जाना चाहिए, जबतक कि लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्य उनकी संस्तुति नहीं कर देते. उनका तर्क है कि ये कानून संसद में बिना किसी सार्थक बहस के जल्दबाजी में पारित कर दिए गए थे, क्योंकि अधिकांश विपक्षी सदस्य निलम्बित थे. नए आपराधिक कानूनों की वैधता के बारे में इतनी देरी से चिन्ता व्यक्त करना अवसरों को गंवाने के अलावा और कुछ नहीं है, ये कानून तीन साल की लम्बी परामर्श प्रक्रिया और हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद बनाए गए थे. इसके बाद गृह मंत्रालय की संसदीय समिति द्वारा इन कानूनों की गहन जांच की गई थी. यहां तक कि दो अलग-अलग अवसरों पर सार्वजनिक नोटिस के जरिए जनता से सुझाव भी मांगे गए थे. सरकार इनमें से किसी भी मांग के आगे नहीं झुक रही है और कानूनों को लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित दिख रही है. इसके अतिरिक्त, नए प्रावधानों की असंवैधानिकता के बारे में चिंताएं इस तथ्य के मद्देनजर सही नहीं हैं कि बीएनएस में बदलाव मुख्य रूप से नवतेज जौहर (2018), जोसेफ शाइन (2018) और पी. रथिनम (1994) के मामलों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का प्रतिबिम्ब हैं. भारतीय न्याय संहिता से राजद्रोह की धारा हटाना राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिका के जवाब में शीर्ष अदालत में केन्द्र सरकार के हलफनामे पर क्रियान्वयन दर्शाता है, साथ ही इसमें लम्बे समय से लम्बित राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को भी सम्बोधित किया गया है. बीएनएसएस और बीएसए में संशोधनों पर आपत्तियां भी उचित प्रतीत नहीं होतीं, क्योंकि इनके मूल रूप से आपराधिक कार्रवाई का डिजिटलीकरण और पीड़ित तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रावधानों को शामिल करना है. इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण जांच और त्वरित न्याय की मांग को पूरा करने के लिए आपराधिक प्रक्रियाओं को फिर से स्थापित किया गया है. विशेषज्ञों की अलग-अलग राय के बावजूद, नये कानूनों का क्रियान्वयन आसान नहीं होगा, क्योंकि इसमें विभिन्न प्रकार के बुनियादी ढांचे का निर्माण, हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करना, नियम और संचालन प्रक्रियाएं निर्धारित करना, मानक प्रपत्रों में संशोधन करना और परिचालन संबंधी मुद्दों को सुलझाने के लिए अन्तर-एजेंसी समन्वय करना शामिल है. साथ ही एक बात जो विश्वास दिलाती है कि ये कानून समय पर लागू होंगे यह है कि एक अनुभवी और समय-परीक्षणित आपराधिक न्याय प्रणाली अस्तित्व में है, जिसमें किसी भी बदलाव को अपनाने और सीमित संसाधनों के साथ किसी भी समस्या का व्यावहारिक समाधान खोजने की कुव्वत है. नये कानून तय समय पर लागू होंगे, इसका एक और आश्वासन इस हकीकत से भी मिलता है कि पुलिस, अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को बड़े पैमाने पर क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण दिया गया है, जिसे केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है. अपराध एवं अपराधियों पर निगरानी रखने के लिए नेटवर्क (सीसीटीएनएस) तथा न्याय व्यवस्था से जुड़ी हुई संस्थाओं के बीच समन्वयक सॉफ्टवेयर का उन्नयन और आधुनिकीकरण अभी तक पूरा नहीं हो सका है. यह जानना जरूरी हो जाता है कि यह कार्य राज्य स्वयं में पूरा करने के लिए सक्षम नहीं है. इसके लिए राज्यों को केन्द्र सरकार की एजेंसियों से आवश्यक तकनीकी सॉफ्टवेयर तथा मार्गदर्शन की दरकार होगी. निःसंदेह, नये कानूनों को लागू करने के पथ में राज्य सरकारों का आगे बढ़ना बिना केन्द्र सरकार के सहयोग और सहारे के चलना सम्भव नहीं होगा. कदम-कदम पर राज्यों को केन्द्र सरकार की मदद की जरूरत होगी. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> बीएनएसएस और बीएसए में संशोधनों पर आपत्तियां भी उचित प्रतीत नहीं होतीं, क्योंकि इनके मूल रूप से आपराधिक कार्रवाई का डिजिटलीकरण और पीड़ित तथा नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रावधानों को शामिल करना है. इसके अलावा गुणवत्तापूर्ण जांच और त्वरित न्याय की मांग को पूरा करने के लिए आपराधिक प्रक्रियाओं को फिर से स्थापित किया गया है.

मीडिया में अन्यत्र

कर्ज के जाल से बाहर निकलने की जरूरत

आयातित सैनिटरी पैड और टायरों से लेकर ब्रेड व ईंधन तक हर चीज पर कर बढ़ाने के लिए, केन्याई राष्ट्रपति का संसद में आईएमएफ-समर्थित वित्त विधेयक को हड़बड़ी में पेश करने का निर्णय उल्टा पड़ गया. प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को संसद के एक हिस्से पर धावा बोल दिया. विरोध-प्रदर्शनों में, मानवाधिकार समूहों के कथन के मुताबिक, कम-से-कम 23 लोग मारे गये और 200 घायल हुए. इसके बाद राष्ट्रपति विलियम रूटो ने एलान किया कि वह विधेयक पर दस्तखत नहीं करेंगे. केन्याई सरकार ने अगर जनता की मनःस्थिति पर ज्यादा ध्यान दिया होता तो वह इस खूनी टकराव से बच सकती थी. सरकार की योजना कर के रूप में अतिरिक्त 200 बिलियन केन्याई शिलिंग (लगभग 1.55 बिलियन अमेरिकी डॉलर) जुटाने की थी. इस साल इससे पहले, यह देश 941 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त उधारी के लिए आईएमएफ के साथ एक समझौते पर पहुंचा था. इसके बाद नैरोबी में हुई वार्ताओं में, वे देश की कर्ज-से-खस्ताहाल वित्तीय स्थिति में स्थिरता लाने के लिए सुधारों पर सहमत हुए, जिसमें कर बढ़ाना शामिल था. आईएमएफ के साथ हुए इस समझौते ने सड़कों पर विरोध भड़का दिया, लेकिन सरकार तब भी देश पर अतिरिक्त कर थोपने की योजना के साथ आगे बढ़ी. 5.4 करोड़ लोगों के इस देश की एक-तिहाई आबादी अब भी गरीबी में बसर करती है. सरकार का तर्क है कि उसके हाथ बंधे हुए हैं, क्योंकि देश को कर्ज का अपना भारी बोझ चुकाने में मुश्किल आ रही है. पिछले साल उसका घरेलू और विदेशी कर्ज 80 बिलियन अमेरिकी डॉलर था. हैरान करनेवाली यह रकम उसके जीडीपी के तकरीबन तीन-चौथाई के बराबर थी. सरकार ने पिछले साल कर्ज-देनदारियों के भुगतान पर अपना आधे से ज्यादा राजस्व खर्च किया. यह संकट उस विकास मॉडल पर उंगली उठाता है, जिसका अनुसरण केन्या और इस महाद्वीप के कई अन्य देश करते हैं. अफ्रीका में सबसे तेज आर्थिक वृद्धि कर रहे देशों में से एक, केन्या ने अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए, विश्व बैंक व आईएमएफ जैसे बहुराष्ट्रीय ऋणदाताओं के साथ-साथ चीन जैसे द्विपक्षीय साझेदारों से जमकर उधार लिया है. लेकिन कोविड-19 महामारी वाले सालों के दौरान आर्थिक वृद्धि धराशायी हो गयी और खर्च आसमान छूने लगे. यूक्रेन युद्ध से भोजन और ऊर्जा की वैश्विक कीमतों में उछाल आया है, जिसने अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं को चोट पहुंचायी है. जब उन्नत देशों ने महंगाई से निपटने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, तो कर्ज में डूबे देशों का भुगतान बोझ तेजी से बढ़ा.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

नियत/नीयत

नीयत ठीक नहीं रहने के कारण वह नियत समय पर अपना काम नहीं कर पाता है. नियत और नीयत दोनों श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द हैं. अभिप्राय यह कि नीयत और नियत दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं. नियत जहां संस्कृत तत्सम विशेषण शब्द है, वहीं नीयत अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग. मोटे तौर पर दोनों शब्दों में मात्रा का अंतर होता है. यानी नीयत के पहले अक्षर 'न' में दीर्घ ई या आजकल के चलन के अनुसार कहा जाये तो बड़ी ई की मात्रा होती है, जबकि नियत के 'न' में ह्रस्व यानी छोटी इ की मात्रा होती है. बस यही कारण है कि लोग भ्रम में पड़ जाते हैं और नीयत की जगह नियत या नियत की जगह नीयत लिख या बोल देते हैं. नीयत का अर्थ होता है ईमान, इरादा. वाक्य प्रयोग से इसे ऐसे समझा जा सकता है-जिसकी नीयत में ही खोट है, उसपर भरोसा कैसे किया जा सकता है. दूसरे शब्द नियत का अर्थ है निश्चित, निर्धारित. वाक्य प्रयोग-कई लोग नियत समय पर कहीं पहुंच नहीं पाते हैं. दोनों शब्दों के उचित प्रयोग के लिए पहली आवश्यकता यह है कि हम दोनों के उच्चारण को समझें और इस सूत्र को दिमाग में पूरी तरह बैठा लें कि ह्रस्व यानी छोटी मात्रा के उच्चारण में जितना समय लगता है, उससे दोगुना समय दीर्घ यानी बड़ी मात्रा के उच्चारण में लगता है. नीयत कहने में नी के उच्चारण में अधिक और नियत कहने में नि के उच्चारण में कम समय लगेगा. हसरत जयपुरी ने फिल्म राजकुमार के लिए लिखा था-इस रंग बदलती दुनिया में इंसान की नीयत ठीक नहीं. निकला न करो तुम सजधज कर ईमान की नीयत ठीक नहीं. रफी साहब द्वारा गाये इस गीत को गौर से सुनने के बाद नीयत शब्द का मतलब भी साफ हो जाता है और यह भी कि नीयत कहने में नी के उच्चारण में अधिक और नियत कहने में नि के उच्चारण में कम समय लगेगा.

बॉस की पत्नी की पुस्तक की समीक्षा

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

अखबार के दफ्तर में मेरा जिम्मा या तो रिपोर्ट लिखने का रहता था या इंटरव्यू और यदा-कदा पुस्तक समीक्षाओं का होता था. एक बार मेरे पास एक कविता संग्रह आया और मुझे बताया गया कि तुम्हें इसकी समीक्षा लिखनी है. खुद बॉस ने बुलाया और कहा कि मैंने सुना है कि दफ्तर में तुम सबसे अच्छी समीक्षा लिखते हो. यह तो बाद में पता चला कि बकरा कटने वाला है, जब बॉस ने बताया कि यह कविता संग्रह मेरी पत्नी का लिखा हुआ है और इसकी बहुत अच्छी समीक्षा आनी चाहिए. मैं जानता था कि कविता संग्रह कूड़ा होगा, बकवास होगा और इस असार संसार में जो कुछ भी सार-रहित है, वह सब कुछ बॉस की पत्नी की पुस्तक में होगा. खैर मैं पुस्तक को सर माथे पर लगा कर बॉस के दफ्तर से उठा और मेरे माथे पर परेशानी के चिह्न दिख रहे थे. सबसे पहले तो मैं यह विचार करने लगा कि दफ्तर में आखिर किसने मुझ से जन्म-जन्मांतरों की दुश्मनी निकाली है, जो मुझे बॉस की पत्नी की पुस्तक की समीक्षा का कार्य दिया गया. खैर जो भी हो, मैं घर आया. पुस्तक पढ़ी और जैसा कि मैं समझता था पुस्तक में प्रशंसा करने योग्य कुछ भी नहीं था. आप समझ सकते हैं पुस्तक कूड़ा है और उसे हम कूड़ा बता भी नहीं सकते. आखिर दफ्तर में नौकरी जो करनी है. अगले दिन मुंह दिखाना है. अब क्या किया जाए... सांचे से तो जग नहीं और झूठे मिले न राम .... पुरानी कहावत सामने आ गई. इधर खाई उधर कुँआ. . अजीब मुश्किल. . हमने अपना पुराना नुस्खा निकाला और पुस्तक समीक्षा लिखी. आप भी आनंद लीजिए :-"उभरती हुई कवयित्री का यह काव्य संकलन इस दृष्टि से प्रशंसा के योग्य है कि कवयित्री में अपार संभावनाएं भविष्य के लिए जान पड़ती हैं. कविता लिखने का जो उत्साह कवयित्री में है, उसकी प्रशंसा किए बिना नहीं रहा जा सकता. जितनी अधिक संख्या में, जितने कम समय में कविताओं के लिए कवयित्री ने काम किया है, वह अपने आप में एक मिसाल है. कम ही लोग इतनी कम आयु में कविताएं लिख पाते हैं. उसको प्रकाशित करके जन-जन तक पहुंचाने का काम जो कवयित्री ने अपने हाथ में ले लिया है, वह प्रशंसा के योग्य है. कम ही लोग कविताएं लिखने में रुचि रखते हैं और उनमें से थोड़े ही लोग अपने धन को खर्च करके उन कविताओं को पुस्तक रूप में प्रकाशित करा पाते हैं. अपने व्यस्त जीवन में घर-गृहस्थी तथा परिवार से समय निकाल कर कविताओं को एक बार लिख कर कवयित्री में समाज पर जो उपकार किया है , वह प्रशंसा के योग्य है. मैं जानता हूं कि उन कविताओं को एक बार लिखने के बाद दोबारा उन पर दृष्टिपात करने के लिए कवयित्री को समय कहां मिला होगा? लेकिन व्यस्तताओं के बाद भी कविताओं को लगातार लिखते रहना और उनका चाहे जैसा भी संकलन आते रहना, यह एक बड़े ही आत्मबल की बात होती है. कविता संग्रह में अच्छाइयां और गुण स्थान स्थान पर बिखरे हुए हैं, सहृदय व्यक्ति को वह ढूंढने से अवश्य ही मिल जाएंगे.

सुकून

जिंदगी में तीन अंक का महत्व खास हैं. चाहे इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और न्यूट्रॉन की बात करें या फिर ब्रह्मा, विष्णु और महेश की. जिंदगानी ही त्रिकाल यानी वर्तमान, भूत और भविष्य में बंटी है. भारतीय संस्कृति में त्रिनेत्र, त्रिशूल और त्रिमूर्ति की अलग महिमा है. अंकशास्त्र 3 को धन निर्माण और व्यक्तिगत स्थिरता के रूप में तो बौद्ध धर्म इसे त्रिगुण रत्न के रूप में देखता है. प्राचीन यूनानी पाइथागोरस ने भी अंक 3 को सबसे सही माना क्योंकि यह शुरुआत, मध्य और अंत का प्रतिनिधित्व करता है. चीन की फेंग शुई हो या जापानी की परंपरा तीन को सौभाग्य का अंक माना जाता है. बाइबिल में, 3 प्रमुख संख्या है, क्योंकि यह पुत्र, पिता और पवित्र आत्मा (पवित्र त्रिमूर्ति) का प्रतिनिधित्व करती है. **झारखंड का अपना अखबार शुभम संदेश** सफलता और विश्वसनीयता के दो वर्ष पूरे करने के बाद तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रहा है. आइए इस शुभ मौके पर हम झारखंड के परिदृश्य में खास तीन की करें बात...

उम्मीदों का तीसरा कदम

इन पर हमें गर्व

राधाकृष्ण यानी दूसरा प्रेमचंद

18 सितम्बर, 1910 को जन्में राधाकृष्ण रांची के वह महत्वपूर्ण साहित्यिक हस्ती थे जिन्हें जमाना दूसरे प्रेमचंद के रूप में याद करता है. रामलीला, वरदान का फेर, उजागर की रेलगाड़ी, चन्द्रगुप्त की तलवार, मूल्य, मुड़ कर भी न देखा, और जिन्दगी चलती रही जैसी अनेक स्मारक कहानियों और 'फुटपाथ' और 'रूपान्तर' जैसे बड़े फलक के उपन्यासों ने उन्हें हिन्दी कथा लेखन के पुरखों में जगह दी है. कथा और व्यंग्य लेखन को अटूट जारी रखते हुए राधाकृष्ण ने अपने समय और समाज की अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी बनाये रखी थी.

संस्कृति के संरक्षक राम दयाल मुंडा

रांची के पास दिउरी में 23 अगस्त 1939 को जन्मे राम दयाल मुंडा अमेरिका केमिनेसोटा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे, लेकिन झारखंड राज्य के लिए आंदोलन करने नौकरी छोड़ कर वापस रांची लौटे. उन्होंने आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने की प्रेरणा दी. अखड़ा को फिर से जीवंत किया. रांची विश्वविद्यालय के वाइस-चांसलर रहे डॉ मुंडा राज्यसभा के सांसद भी रहे. वर्ष 2007 में उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला. भारत सरकार ने वर्ष 2010 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया.

करिश्मा का दूसरा नाम है माही

सात जुलाई 1981 को जन्में महेंद्र सिंह धोनी ने 2007 से 2016 तक सीमित ओवरों के प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी और 2008 से 2014 तक टेस्ट क्रिकेट में. वे दाएं हाथ के मध्य-क्रम के बल्लेबाज और विकेट-कीपर रहे. आईपीएल में चेन्नई टीम के कप्तान रहे. उन्हें सीमित ओवरों के क्रिकेट के सबसे बड़े फिनिशर में से एक माना जाता है. उन्होंने दिसंबर 2004 में बांग्लादेश के खिलाफ अपना एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वनडे खेला और 2005 श्रीलंका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट खेला. कप्तानी के तौर पर धोनी का विनिंग 82.35 प्रतिशत रहा. 5 फीट 9 इंच लंबे महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने 2011 और 2015 विश्व कप खेले. 2007 का टी-20 विश्व कप जीता चुके माही का करिश्मा उनके पहले वनडे वर्ल्ड कप में भी चला.

यहां मिलता है नया जीवन

रिम्स : आशा को यहां मिलता ठौर

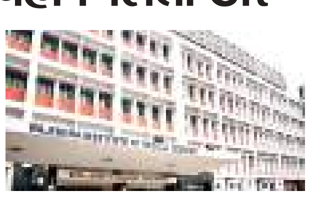

राजेंद्र मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना वर्ष 1958 में214 एकड़ जमीन पर हुई थी. वर्ष 1960 में एमबीबीएस की 150 सीटों पर पहले साल विद्यार्थियों का नामांकन हुआ. झारखंड अलग राज्य का गठन होने के बाद वर्ष 2002 में राजेंद्र मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) का नाम बदल कर राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) कर दिया गया.

यह अस्पताल झारखंड का गौरव है. स्वास्थ्य से जुड़ी अधिकांश योजनाओं का क्रियान्वयन इसी अस्पताल से शुरू होता है. राज्य के सुदूर ग्रामीण इलाकों के लोगों के लिए यह आशा की किरण है जहां जरुरत पड़ने पर लोग यही सोच कर आते हैं कि रिम्स आने पर उनकी जान बच जाएगी. मौजूदा समय में रिम्स के ओपीडी में रोजना करीब 2200 से ज्यादा मरीज इलाज कराने आते हैं. जबकि विभिन्न विभागों के इनडोर में 1500 भर्ती रहते हैं.

रिनपास : जहां मन होता चंगा

1925 में कांके में खुला इंडियन मेंटल हॉस्पिटल आज रांची इंस्टीट्यूट आफ न्यूरो साइकियाट्री एंड अलायड साइंसेज यानी रिनपास के नाम से जाना जाता है. अगले साल स्थापना के सौ साल पूरा करने वाला यह संस्थान मानसिक रोगों के इलाज के लिए देश-विदेश में अपनी पहचान रखता है.

यहां हर दिन ओपीडी में 300 से 350 मानसिक रोगी इलाज के लिए आते हैं वहीं 550 से अधिक रोगी को भर्ती करके इलाज कराने की सुविधा है. यह रिसर्च व स्टूडेंट्स को क्वालिटी एजुकेशन देने के मामले में भी पहचान बना चुका है. यहां मरीजों को इलाज के फुल कोर्स के लिए दवाएं मुफ्त में दी जाती है. लंबे समय एडमिट मरीजों को काम करने के एवज में मेहनताना भी मिलता है.

एम्स : चिकित्सा के क्षेत्र में बुलंद कदम

देवघर के देवीपुर स्थित 1103 करोड़ की लागत से बने देवघर एम्स का उद्घाटन जुलाई 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन किया था. उस समय 250 बेड से शुरू हुए अस्पताल में आज 750 बेड का अस्पताल बन गया है. 236.92 एकड़ जमीन पर बना देवीपुर एम्स के निर्माण की कुल लागत 11 अरब 3 करोड़ रुपए है. यहां महज 30 रुपए देकर एक वर्ष तक मुफ्त में उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवा का लाभ लोग एम्स में उठा सकते हैं. जांच और दवा एम्स में काफी कम लागत पर उपलब्ध है.

प्रकृति के वरदान

जल, जंगल, जमीन

आदिवासी लोक विश्वास के अनुसार झारखंड को सिंगबोगा ने जल, जंगल और जमीन प्राकृतिक उपाहार के तौर पर दिया है. आदिवासियों की संस्कृति और समाज इसी वरदान के सहारे दुनिया के लिए एक नयी चेतना का अहसास दिलाता है. एक ऐसी विशिष्ट संस्कृति की रचना करता है जिसमें समानता का तत्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण है. झारखंड प्राकृतिक जलस्रातों का केंद्र है. मीठा और शुद्ध जलस्रोतों का यह केंद्र दुनिया के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है. जल विशेषज्ञों ने झारखंड के इन जलस्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया है ताकि प्रकृति के अनुपम धरोहर और भावी पीढ़ी के लिए जीवनस्रोत बचाया जा सके. इसी तरह जंगल वह प्राकृतिक वरदान है जिसमें जैव विवधता की बहुलता है. इन जैव विवधता ने मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. जैव विविधता का यह पहलू जैव विशेषज्ञों के शोध का बड़ा आकर्षण केंद्र है. जंगल न केवल मानव से सहअस्तित्व का रिश्ता बनाता है बल्कि पशु और मानव के रिश्तों को भी विशिष्टता प्रदान करता है. झारखंड की जमीन के नीचे अकूत खनिज भंडार के स्रोत हैं. खनिजों की यह बहुलता वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है.

संबल हमारे ये पुरखे

धरती आबा बिरसा मुंडा

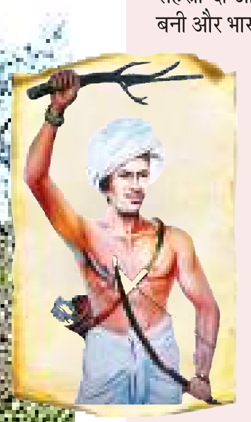

खूंटी के उलिहातू में 15 नवंबर 1875 को जन्में बिरसा मुंडा के क्रांतिकारी तेवर छात्र जीवन से ही जाहिर होने लगे. उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में एक आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया था जो कालान्तर में उनकी पहचान बनी और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में वे अंकित हुए.

बिरसा जर्मन मिशन स्कूल में शामिल होने के लिए ईसाई बनें, लेकिन जल्द ही अहसास हुआ कि अंग्रेज आदिवासियों को ईसाई बनाने के लिए शिक्षा का उपयोग कर रही है. यह अहसास होते ही उन्होंने स्कूल छोड़ दिया और 'बिरसैत' नाम से एक धर्म स्थापित किया इस धर्म में मुंडा समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए. यह ब्रिटिश धर्मांतरण गतिविधियों के लिए एक चुनौती था. मुंडा विद्रोह का कारण औपनिवेशिक और स्थानीय अधिकारियों द्वारा अनुचित भूमि हथियाने की प्रथा थी जिसने आदिवासी पारंपरिक भूमि व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया.

उन्हें 3 फरवरी 1900 को चक्रधरपुर के जामकोपई जंगल में गिरफ्तार किया गया था. 15 विभिन्न आपराधिक मामलों में 460 आदिवासियों को आरोपी बनाया गया, जिनमें से 63 को दोषी ठहराया गया. एक को मौत की सजा, 39 को आजीवन कारावास और 23 को चौदह साल तक की कैद की सजा सुनाई गई थी. मुकदमे के दौरान जेल में बिरसा मुंडा सहित छह कैदियों की मौत हो गई. बिरसा मुंडा की भी मृत्यु 9 जून 1900 को जेल में हो गई.

प्रथम स्वतंत्रता सेनानी तिलका मांझी

तिलका मांझी का जन्म 11 फरवरी, 1750 को भागलपुर जिले के तिलकपुर गांव में हुआ था. सन 1857 की क्रांति से पहले ब्रिटिश सरकार की दमनकारी व्यवस्था के खिलाफ संथाल परगना के जंगली पहाड़ी इलाकों में छिपकर आदिवासियों ने लड़ाइयां लड़ी थीं. संथाल क्रांतिकारी तिलका मांझी इसी लड़ाई में एक नायक बनकर उभरे थे. उनके हमलों से परेशान होकर अंग्रेज अधिकारी क्लीवलैंड ब्रिटिश फौज लेकर आया. एक दिन जब क्लीवलैंड घोड़े पर सवार होकर जंगल से जा रहा था, पहले से ही ताड़ के पेड़ पर बैठे झारखंड के इस लाल ने क्लीवलैंड पर निशाना साधकर तीर से उसकी छाती को वेध दिया. क्लीवलैंड की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई. तब भारी भरकम फौज के साथ उस पहाड़ी को घेर लिया गया, जहां तिलका मांझी साथियों के साथ अंग्रेजों से युद्ध की योजनाएं बनाया करते थे. लगभग 300 वनवासी इस लड़ाई में शहीद हो गए लेकिन ब्रिटिश फौज तिलका मांझी को पकड़ने में नाकाम रही. तब उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर लिया. फिर क्या प्रताड़ना उन्हें नहीं दी गई. घोड़े से बांधकर उन्हें भागलपुर की सड़कों पर सरेआम घसीटना और बरगद के पेड़ पर मरणासन्न लटका देना. इसी पेड़ पर झारखंड के सपूत की मौत हो गई.

सिदो-कान्हू : हूल विद्रोह के प्रणेता

सिदो-कान्हू मुर्मू का जन्म साहेबगंज जिला के बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह नामक गांव में हुआ था. सिदो मुर्मू का जन्म 1815 ई में हुआ था एवं कान्हू मुर्मू का जन्म 1820 ई0 में हुआ था.

सिदो-कान्हू ने 1855-56 मे ब्रिटिश सत्ता, साहुकारों, व्यपारियों व जमींदारों के अत्याचारों के खिलाफ एक विद्रोह का बिगुल बजाया जिसे संथाल विद्रोह या हूल आंदोलन के नाम से जाना जाता है. संथाल विद्रोह का नारा था करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो.

सिदो ने मांझी समुदाय के लोगों को साल की टहनी भेजकर संथाल हुल में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा. 30 जून 1855 को भेगनाडीह में संथालों की एक सभा हुई जिसमें 400 गांवों के 50000 संथाल एकत्र हुए. संथाल विद्रोह भोगनाडीह से शुरू हुआ जिसमें संथाल तीर-धनुष से लेस दुश्मनों पर टूट पड़े. सामने आधुनिक हथियार व गोला बारुद से लेस अंग्रेजों की सेना थी. इस मुठभेड़ में महेश लाल एवं प्रताप नारायण नामक दरोगा की हत्या कर दी गई. इससे अंग्रेजों में भय का माहौल बन गया. अंग्रेजों ने पाकुड़ में मार्टिलो टावर का निर्माण कराया ताकि संथालों के हमले से बच सके. हालांकि इस मुठभेड़ में संथालों की हार हुई और सिदो-कान्हू को फांसी दे दी गई.

इन पर लगाम जरूरी

नक्सलवाद : बदल रही है तस्वीर

एक समय था जब सूबे से बाहरी लोगों के लिए झारखंड और नक्सली, दोनों नाम जेहन में साथ-साथ उभरता था. नक्सलवाद झारखंड के अभिशाप में पहले दर्जे पर आता था. लेकिन अब बदलाव आई है. इसकी पुष्टि हाल ही जारी किए गए केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक रिपोर्ट से होती है. इस रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड में अब पांच जिले ही नक्सल प्रभावित रह गये हैं. इनमें गिरिडीह, गुमला, लातेहार, लोहरदगा और पश्चिमी सिंहभूम का नाम शामिल है. दो साल पहले की बात करें तो झारखंड में 16 जिले नक्सल प्रभावित थे. इनमें बोकारो, चतरा, धनबाद, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रांची, सरायकेला- खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम का नाम शामिल था. केंद्रीय गृह मंत्रालय की यह रिपोर्ट कहती है कि झारखंड के चार जिले- गिरिडीह, गुमला, लातेहार ओर लोहरदगा में धीरे-धीरे नक्सली कमजोर हुए हैं या नक्सली घटनाओं में कमी आयी है. इसका साफ असर इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में नजर आया. साल 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार बूढ़ापहाड़ जैसे माओवादियों के गढ़ में जम कर वोटिंग हुई. पूरे राज्य में चुनाव के दौरान नक्सली के पस्त होते हौसले और लोकतंत्र की बुलंदी नजर आई. ऐसे में साल 2014 का चुनाव याद आता है जब सर्वाधिक नक्सल हिंसक वारदातें हुई थीं. 24 अप्रैल 2014 को दुमका से चुनाव कार्य संपन्न करा कर लौट रहे चुनावकर्मियों पर नक्सलियों ने हमला कर दिया था. पांच पुलिसकर्मी समेत आठ लोग मारे गए थे.

दरअसल झारखंड पुलिस ने अभियान चलाकर 2019 से लेकर 2024 के मार्च महीने तक एक करोड़ के इनामी नक्सलियों सहित लगभग 2023 नक्सलियों को सलाखों के पीछे पहुचा दिया. नक्सलियों के बड़े नाम जिनमें प्रशांत बोस (इनाम एक करोड़), रूपेश कुमार सिंह (सैक मेम्बर), प्रभा दी (इनाम 10 लाख),प्रशांत मांझी (इनाम 10 लाख), नंद लाल मांझी (इनाम 25 लाख) और आदि सलाखों के पीछे हैं.

मानव तस्करी : आदिवासी बेटियों के हिस्से का यह दर्द

ट्रैफिकिंग या मानव तस्करी झारखंड के सबसे बड़े दर्द या अभिशाप में शामिल है जिसकी शिकार ज्यादातर सूबे की आदिवासी बेटियां ही है. ये बेटियां वस्तुओं की तरह बेची-खरीदी जाती हैं. सूबे से बाहर घरेलू कामों ही इनका उपयोग नहीं होता, बल्कि जिस्म व्यवसाय, जबरन मां बनाकर उनके बच्चों की खरीद-बिक्री, अंगों की खरीद-बिक्री, शादी आदि के लिए भी इनकी तस्करी की जाती है.

डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के एक शोध में देखा गया कि झारखंड में मानव तस्करी का शिकार होने वाली बच्चियों में 90 फीसदी आदिवासी हैं. वहीं दस फीसदी दलित समुदाय से हैं. रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड से ज्यादातर बच्चियों को दिल्ली, हरियाणा व पंजाब के अलावा इन्हें बंगाल, ओडिशा, बिहार और असम भेजा जाता है. हरियाणा और पंजाब जैसे राज्य में जबरन शादी के लिए बेची जाती हैं जबकि यूपी में कालीन उद्योग में इनका उपयोग होता है. अन्य राज्यों में इनकी ट्रैफिकिंग घरेलू काम के लिए होती. इन राज्यों में इन्हें प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से खरीदा-बेचा जाता है. यह अध्ययन 2018-2019 सत्र के लिए और बीकेएस के सचिव संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया. रिपोर्ट के मानें तो इसका बड़ा कारण नक्सली संकट और खनन क्षेत्रों में विस्थापन रहा है.

डायन प्रथा : अंधविश्वास या साजिश!

डायन प्रथा झारखंड का अभिशाप है. बेशक एनसीआरबी या अन्य आंकड़ों में इसकी भयावहता उतनी नहीं दिखती, लेकिन वास्तविकता के धरातल पर हर साल बड़ी संख्या में मां-बेटियां-बहन डायन करार देकर मौत की शिकार होती हैं. एक अनुमान के अनुसार हर साल औसतन 35 लोगों की हत्याएं होती हैं जिनमें ज्यादातर महिलाएं ही हैं. गांव में किसी की बीमारी, किसी की मौत, पशुओं या फसलों की हानि के लिए महिलाओं को डायन करार दिया जाता है. इस कुप्रथा के पीछे अंधविश्वास और अशिक्षा मुख्यतौर पर जिम्मेदार है. कई बार विधवा-असहाय महिलाओं की संपत्ति हड़पने के लिए भी उनके खिलाफ इस तरह की साजिशें रच दी जाती हैं. केन्द्र सरकार ने डायन प्रथा को रोकने के लिये सख्त कानून बनाया है. कई तरह के जागरुकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं. इसके बावजूद इस सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है.

भविष्य के निर्माता

एक्सएलआरआई : वैश्विक दृष्टिकोण वाला प्रबंधन संस्थान

एक्सएलआरआई, जमशेदपुर भारत का एक प्रमुख निजी प्रबंधन संस्थान है जिसकी स्थापना 1949 में फादर क्विन एनराइट ने 'स्टील सिटी' जमशेदपुर में की थी. अपनी स्थापना के बाद से ही एक्सएलआरआई ने अपनी अलग पहचान बनाई है. अक्टूबर में इसके 75 वर्ष पूरे होंगे.

एक्सएलआरआई अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को अंतर्राष्ट्रीय बनाने वाले भारत के पहले प्रबंधन स्कूलों में से एक है. इसका हमेशा से वैश्विक दृष्टिकोण रहा है. एक्सएलआरआइ के जमशेदपुर व दिल्ली कैंपस में विद्यार्थियों का एडमिशन जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (जैट) के जरिये होता है. जैट के जरिए प्रतिवर्ष एक लाख उम्मीदवारों में से करीब 500 विद्यार्थियों का चयन एक्सएलआरआइ में एडमिशन के लिए किया जाता है.

काली खदानों में शिक्षा का चिराग आईआईटी आईएसएम

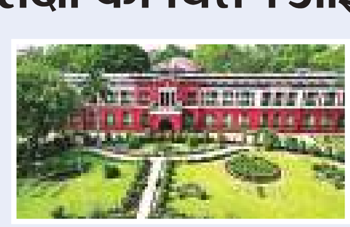

तमाम झंझावातों से दशकों तक लड़ते और संघर्ष के बीच पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में एक चिराग बनकर रौशनी फैलाने वाला आईएसएम, धनबाद ही नहीं मुल्क का गौरव है. स्थापना के बाद से ही और लगभग एक सदी से आईआईटी आईएसएम धनबाद ऊर्जा, खनन, खनिज और पेट्रोलियम क्षेत्र में भारतीय उद्योगों की सेवा कर रहा है. प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न स्तरों पर इन औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों को बनाए रखने के लिए अभियंताओं, वैज्ञानिकों और प्रबंधकों के रूप में उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षित और विशेष जनशक्ति को उपलब्ध करा रहा है. वास्तव में यह कहा जा सकता है कि आजादी के पूर्व और आजादी के बाद भी देश के अधिकांश खनन और खनिज औद्योगिक को दिशा देने में आईआईटी आईएसएम के पूर्व छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. संस्थान ने अन्य समकालीन अभियांत्रिकी विषयों में उद्योग शिक्षाविदों को गुणवत्ता परक प्रशिक्षित तकनीकी जनशक्ति प्रदान करके वैश्विक स्तर पर एक अमित पहचान भी बनाई है.

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने दिसंबर 1901 के अपने सत्र में एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया था कि सभी भारतीय खदानों को खनन विशेषज्ञों की देखरेख में रखा जाना चाहिए, इंग्लैंड में रॉयल स्कूल आफ माइन्स, जापान के माइनिंग कॉलेज कॉलेज की तर्ज पर भारत में एक सरकारी खनन इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित किया जाए. खनन और भू विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने के लिए एक संस्थान की स्थापना के सिफारिश की. जिसकी रिपोर्ट 1920 में प्रस्तुत की गई.

भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इर्विन द्वारा औपचारिक रूप से 9 दिसंबर 1926 को भारतीय खनिज विद्यापीठ खोला गया. 1967 में इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत समतुल्य विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया था. लंबे संघर्ष के बाद 6 सितंबर 2016 में आईएसएम ने आईआईटी का सफर तय कर लिया.

कई कीर्तिमान का रचयिता बीआईटी, मेसरा, रांची

बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) रांची की स्थापना 1955 में उद्योगपति बी. एम. बिड़ला ने की थी. रांची से 16 किलोमीटर दूर 780 एकड़ में फैले बीआईटी मेसरा को यूजीसी से डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त है. इस इंस्टीट्यूट को एनएएसी (नेशनल असेस्मेंट एंड एक्रडिटेशन काउंसिल) और एनबीए (नेशनल बोर्ड ऑफ एसोसिएशन) से मान्यता मिली हुई है. यह पहला इंस्टीट्यूट है जिसके पास स्पेस इंजीनियरिंग एंड रॉकिटेरी का डिपार्टमेंट हैं. यह पहला इंस्टीट्यूट है जिसको ऑटोनोमस स्टेट्स का दर्जा मिला. बीआईटी पहला इंस्टीट्यूट है जिसने सन् 2000 में पहली बार देश के बाहर (बहरीन में) टेक्नीकल यूनी. की स्थापना की.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

रोहित-विराट-जडेजा ने टी20 क्रिकेट को कहा- बाय-बाय...

तीनों ने कहा अलविदा : अब नयी पीढ़ी को आगे कमान संभालनी है

शुभम संदेश स्पोट् र्स डेस्क

भारतीय क्रिकेट के तीन दिग्गजों कप्तान रोहित शर्मा, सुपरस्टार विराट कोहली और हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने टीम को टी20 विश्व कप दिलाने में अहम भूमिका निभाने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले ली. कोहली ने 59 गेंद में दो छक्कों और छह चौकों की मदद से 76 रन बनाये और दक्षिण अफ्रीका पर फाइनल में सात रन से मिली जीत में प्लेयर आफ द मैच रहे. पुरस्कार लेने के बाद उन्होंने कहा कि यह उनका आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच था. इसके बाद रोहित ने भी यह कहकर विदा ली कि उनका लक्ष्य हासिल हो गया है और यह अलविदा कहने का सही समय है. कोहली ने कहा , यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप है . हम इसे जीतना चाहते थे. यह अद्भुत खेल हैं . जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो मैं रोहित से कह रहा था कि एक दिन आपको ऐसा लगता है कि आप रन नहीं बना पा रहे और ऐसा होता है .ईश्वर महान है. मैं कृतज्ञता से सिर झुकाता हूं . मैं शुक्रगुजार हूं कि जिस दिन सबसे ज्यादा जरूरी था, मैं टीम के लिये योगदान दे सका.

रोहित ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा , यह मेरा भी आखिरी मैच था . विदा लेने का यह एकदम सही समय है . मैं हर हालत में खिताब जीतना चाहता था. इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता. उन्होंने कहा , मैं यही चाहता था और यह हो गया . मैं अपने जीवन में इसके लिये बहुत बेताब था. खुशी है कि इस बार हम जीत सके. रोहित 2022 टी20 विश्व कप में भी कप्तान थे जब भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने हराया था. इसके एक साल बाद 50 ओवरों के विश्व कप में रोहित की कप्तानी वाली भारतीय टीम फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार गयी. वहीं, कोहली ने कहा , अब अगली पीढी के बागडोर संभालने का समय है. अगला टी20 विश्व कप दो सारल बाद है. भारत में कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और टी20 प्रारूप में वह टीम को आगे ले जायेंगे और उसी तरह से शानदार प्रदर्शन करेंगे जैसे आईपीएल में करते देखा है. उन्होंने कहा , मुझे इसमें कोई शक नहीं कि वे देश का परचम लहरायेंगे. भारत के लिए 125 टी20 मैचों में कोहली ने 48.69 की औसत से 4188 रन बनाये हैं.

तेरी जीत मेरी जीत, तेरी हार मेरी हार, ऐसा अपना प्यार : जीत में, संन्यास में भी एक साथ रोहित-विराट-जडेजा

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में विराट कोहली का प्रदर्शन

- मैच-1 : आयरलैंड के खिलाफ 1 रन
- मैच-2 : पाकिस्तान के खिलाफ 4 रन
- मैच-3 : यूएसए के खिलाफ खाता नहीं खोल पाए
- मैच-4 : कनाडा के खिलाफ बारिश के कारण मैच रद्द हुआ
- मैच-5 : अफगानिस्तान के खिलाफ 24 रन
- मैच-6 : बांग्लादेश के खिलाफ 37 रन
- मैच-7 : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खाता नहीं खोल पाए
- मैच-8 : इंग्लैंड के खिलाफ 9 रन बनाए
- मैच-9 : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की
- पारी खेली

विराट कोहली 2010-2024 (टी20 करियर)

मैच - 125	रन - 4188	गेंद - 3056	50 - 38
पारी - 117	हाईएस्ट स्कोर - 122*	स्ट्राइक रेट - 137.04	——————-
नॉट आउट - 31	औसत - 48.69	100 - 1	——————-

रविंद्र जडेजा का रिकॉर्ड

ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने भी टी20 को अलविदा कह दिया. उन्होंने खुद इसकी घोषणा अपने सोशल एकाउंट से की. जडेजा ने लिखा, पूरे दिल से आभार जताते हुए मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं. गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा. टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का एक शिखर. यादों, उत्साह और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद. जय हिंद.

2009-2024 (टी20 कॅरियर)

बैटिंग

मैच – 74	औसत – 21.46
पारी – 44	गेंद – 405
नॉट आउट – 17	स्ट्राइक रेट – 127.16
रन – 515	100 – 0
हाईएस्ट स्कोर – 46	50 – 0

बॉलिंग

मैच – 74	विकेट – 54
पारी – 41	बेस्ट – 3/15
बॉल – 1356	औसत – 29.85
रन – 1612	इकोनॉमी – 7.13

रोहित शर्मा का टी20 वर्ल्ड कप 2024 का सफर

- न्यूयॉर्क में आयरलैंड के खिलाफ ओपनिंग मैच में 52 रनों की नाबाद पारी खेली
- पाकिस्तान के खिलाफ न्यूयॉर्क में रोहित शर्मा 13 रना बना सके
- अमेरिका के खिलाफ न्यूयॉर्क में हिटमैन 3 रन बनाकर सौरभ नेत्रवलकर का शिकार बन गए.
- अफगानिस्तान के खिलाफ रोहित 8 रन ही बना सके थे.
- बांग्लालादेश के खिलाफ रोहित ने 23 रनों की पारी खेली थी.
- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोहित शर्मा ने 41 गेंदों पर 92 रनों की तूफानी पारी खेली थी.
- रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में 39 गेंदों पर 57 रन बनाए थे.
- रोहित ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 5 गेंदों पर 9 रन

रोहित 2007-2024 (टी 20 कॅरियर)

मैच - 159	औसत - 32.05
पारी - 151	गेंद - 3003
नॉट आउट - 19	स्ट्राइक रेट - 140.89
रन - 4231	100 - 5
हाईएस्ट स्कोर - 121*	50 - 32

टी20 वर्ल्ड कप में रोहित का प्रदर्शन

2007-88 रन	2016-88 रन
2009 - 131 रन	2021 - 174 रन
2010 - 84 रन	2022-116 रन
2012 - 82 रन	2024-257 रन
2014 - 200 रन	———————-

टी20 वर्ल्ड कप में रोहित का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबले को छोड़ दें तो रोहित ने अपनी बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया. उन्होंने 8 मैच में 36.71 की औसत और 156.71 की स्ट्राइक रेट से 257 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 3 अर्धशतकीय पारी भी खेली. उनका सर्वाधिक स्कोर 92 रन की पारी रही जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में आई. रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में भी अच्छी बल्लेबाजी की थी और 39 गेंद में 57 रन बनाए थे. उन्होंने इस पूरे वर्ल्ड कप में सेल्फलेस बैटिंग की.

विराट कोहली का रिकॉर्ड

विराट कोहली ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 59 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रनों की पारी खेली थी. कोहली को उनकी इस महत्वपूर्ण पारी की मदद से प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया था. कोहली ने अवॉर्ड लेने के दौरान कहा, यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप था, हम यही हासिल करना चाहते थे. हां, मैं एक घोषणा कर रहा हूं और यह एक खुला रहस्य है. ऐसा कुछ नहीं जिसकी मैं घोषणा नहीं करने वाला था, भले ही हम हार गए होते. यह अगली पीढ़ी के लिए टी20 खेल को आगे ले जाने का समय है.

जिंबाब्वे से खिलाफ डेब्यू

विराट कोहली ने 12 जून 2010 को जिंबाब्वे के खिलाफ टी20 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था. कोहली ने भारतीय टीम के लिए अपने करियर में कुल 125 मुकाबले खेले और 137 .04 की स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए. कोहली ने अपना टी20 करियर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज के रूप में समाप्त किया. कोहली का टी20 में सर्वाधिक निजी स्कोर नाबाद 122 रन रहा. इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और 39 अर्धशतक लगाए. कोहली खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा 50 से अधिक रन बनाने के मामले में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की बराबरी पर पहुंच गए थे.

टी20 विश्व कप में लिया हिस्सा

विराट कोहली ने अपने 14 साल के लंबे अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर में कुल छह बार टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया. कोहली 2012, 2014, 2016, 2021, 2022 और 2024 टी20 विश्व कप में हिस्सा लिया. कोहली 2014 में अपने दूसरे ही टी20 विश्व कप में विश्व विजेता बनने के करीब थे. उस समय भी भारत इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा था, लेकिन टीम को फाइनल में श्रीलंका से हार मिली थी. कोहली ने टी20 विश्व कप के 35 मैचों में कुल 1292 रन बनाए.

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

हाफिज अब्दुल मोबिन
नाजिम मदरसा मरकजुल हेदाया अली नगर कुटमु लोहरदगा

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
परवेज आलम
एसजीएसएस लिमिटेड मंत्री एवं कांग्रेस कमेटी के जिंगी पंचायत अध्यक्ष, कुडु, लोहरदगा

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
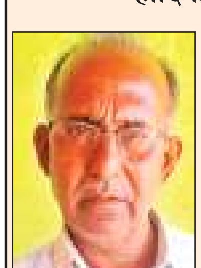
कलीम खान
आजसु प्रखण्ड अध्यक्ष, कुडु (लोहरदगा)

फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश अखबार की स्थापना दिवस पर शारदा हाई स्कूल, बारदा, बाईडीह की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं व बधाई

मोहन साव
समाज सेवी

प्रमोद गुप्ता
महासचिव

नागेश जायसवाल
महासचिव

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की स्वाभिमान की रक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता के साथ

देवाशीष राय
पूर्व उपाध्यक्ष
जिला परिषद सरायकेला खरसावां
भाजपा नेता, चांडिल

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी सह कांग्रेस नेता

मुन्ना सिंह
की ओर से समस्त
सदर विधान वासियों को हार्दिक शुभकामना...

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

टिंकू महतो
भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा विधानसभा प्रभारी, लोहरदगा

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं
विशेषज्ञ चिकित्सकों की 24 घंटा सेवा उपलब्ध

सुवर्ण रेखा नर्सिंग होम एंड रिसर्च सेंटर
गोपालपुर, घाटशिला

नेशनल डॉक्टर्स डे

(शुभम संदेश के स्थापना दिवस पर ढेर सारी बधाई)

ई.एन.टी. स्पेशियलिस्ट

डॉ समित लाल
MBBS, MS, (ENT)
Formerly Registrar, Jaslok Hospital, Mumbai
Formerly Asst. Prof. K.J. Somaiya Medical College, Mumbai
Formerly Secretary AOICON 2022
Secretary AOI Bihar -Jharkhand
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर
Near Kadru Over Bridge,Kadru, Ranchi -2
Mob.: 7061117676, 7707005676

डायबिटीज एवं थायराइड रोग विशेषज्ञ

डॉ. अजय छाबड़ा
M.B.B.S., D. Diabetology
(Consultant Diabetologist & Physician)
डॉ. छाबड़ा डायबिटीज सेंटर
मेट्रो लेन, रामविलास पेट्रोल पंप के सामने, रातू रोड, रांची-1, संपर्क : 0651-2283320, 8051173464

न्यूरो और स्पाइन विशेषज्ञ

डॉ. गणेश कुमार
MBBS, M.S., M.ch. Neurosurgery,
Director Neurosurgery
PARAS HEC HOSPITAL
Near Dhurwa, JSCA Stadium, Ranchi
Mob.: 9142583784, 7070191744

ई.एन.टी. एंड स्कल बेस एंड हेड एंड नेक सर्जन

डॉ. अभिषेक कु. रामाधीन
MBBS (KEM), MD (USA), MS (ENT), FARS (USA), FIANO (ITLAY), MRCSI (UK)
Ex Clinical Associate Tuft School Of Medicine Boston, Massachusetts, USA
EAR, NOSE, THROAT & SKULL BASE, HEAD & NECK & IT'S CANCER SPECIALIST
ENT HOSPITAL
RMDA Building, 4th Floor, Itki Road, Piska More, Ranchi
Mob.: 9934040203, 8210918334, 7258953555

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ. अशोक कुमार बैद्य
MD; DNB (NEPH) MNAMS
Senior Consultant Nephrologist
सावित्री देवी मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट
नेफ्रोन किडनी केयर क्लिनिक
Ranchi -Mob.: 8102409980

डॉक्टरों को देख कर हमारी आशाए पाती हैं ठौर

अभी अधिक दिन नहीं गुजरे जब हमने कोरोना का दौर देखा था. घर के भीतर ही दफ्तर, स्कूल, कॉलेज सब खुल गए थे और सुरक्षा के लिहाज से हमने बाहर निकलना करीब-करीब बंद ही कर दिया था. उस दौर में अस्पतालों में कोराना व अन्य बीमारियों से जूझते मरीजों के पास जब परिजन भी नहीं पहुंचते थे, तब चिकित्सक वहां तैनात रहते थे और रोगी के दुख दर्द को दूर करने का हर संभव प्रयास करते थे. इसके लिए व्यक्तिगत स्तर पर उन्हें कई समस्याओं को झेलना पड़ा था. स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिहाज से परिजनों से दूरी बरतने से लेकर लंबे समय तक पीपीई किट पहनने की असुविधा तक झेली थी. जी हां, ऐसे ही होते हैं चिकित्सक और इन्हीं खासियतों के कारण उन्हें धरती का भगवान कहा जाता है. जिंदगी में उम्मीदों का लौ जलाए रखने वाले चिकित्सकों की ऐसी भूमिका हमेशा से ही देखी गई है. सफेद कोट पहने और स्टेथोस्कोप (आला) लटकाए चिकित्सकों को देख कर हमारी आशा ठौर पाती है, दिल को बहुत हद तक वैसा ही संबल मिलता है जैसा अपनी आस्था के इष्टदेव, परम परमात्मा के सामने जाने पर मिलता है. यही कारण है कि हम साल का एक दिन धरती के ईश्वर यानी चिकित्सकों के नाम करते हैं. अपने देश में यह खास दिन जुलाई की पहली तारीख है. जी हां, एक जुलाई को डॉक्टर्स डे के रूप में हम मनाते हैं. भारत में यह दिन महान चिकित्सक, शिक्षाविद और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती के रूप में मनाया जाता है.

कब कहां मनाते डॉक्टर्स डे

दिलचस्प बात यह है कि डॉक्टर्स डे मनाने के लिए दुनिया के तमाम देश अपनी अलग अलग तारीख तय कर रखी है. आइए जाने कि कौन देश कब मनाता है डॉक्टर्स डे-

संयुक्त राज्य अमेरिका में हर साल 30 मार्च को नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाता है. दरअसल इस देश के लोग इस दिन डॉ. क्रॉफोर्ड लॉन्ग को याद करते हैं. कहा जाता है कि 30 मार्च 1842 को जेफरसन, जॉर्जिया में डॉ. क्रॉफोर्ड लॉन्ग ने ईथर का उपयोग एक मरीज जेम्स वेनेबल को एनेस्थेटाइज करने के लिए किया था और उसकी गर्दन से एक ट्यूमर को बिना दर्द के काट दिया था. क्यूबा में कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 3 दिसंबर को नेशनल डॉक्टर्स डे सेलिब्रेट किया जाता है. ब्राजील में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 18 अक्टूबर को मनाया जाता है. इस दिन कैथोलिक चर्च सेंट ल्यूक का जन्मदिन होता है. सेंट ल्यूक एक डॉक्टर थे. चीन में 19 अगस्त को डॉक्टर्स डे सेलिब्रेट किया जाता है. वहीं कनाडा ने 1 मई की तारीख को डॉक्टर्स डे के लिए तय किया है. मलेशिया में 10 अक्टूबर इसे मनाया जाता है. इसे पहली बार 2014 में फेडरेशन ऑफ प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन मलेशिया द्वारा लॉन्च किया गया था. नेपाल में 4 मार्च को तो कुवैत में 3 मार्च को डॉक्टर्स डे सेलिब्रेट किया जाता है. क्यूबा में कार्लोस जुआन फिनले के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 3 दिसंबर को डॉक्टर्स डे मनाया जाता है.

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट एवं हेपेटोलॉजीस्ट

डॉ. रविश रंजन
MBBS, MD (Gen. Medicine)
DNB-Super Speciality (Gastro)
Consultant Interventional Gastroenterologist & Hepatologist
Senior Consultant Raj Hospital
गैस्ट्रो एवं लिवर केयर क्लिनिक
संजीवनी मेडिको, सहजानन्द चौक, हरमू रांची
मो.- 7903826161, 7903637063

जानिए कौन थे डॉ बिधान चंद्र रॉय

डॉ. बिधान चंद्र रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को बिहार की राजधानी पटना (बांकीपुर) में हुआ था. चिकित्सा के क्षेत्र में इनका योगदान अविस्मरणीय है. उन्होंने यादवपुर राजयक्ष्मा अस्पताल, चित्तरंजन सेवा सदन फॉर वीमेन एंड चिल्ड्रेन, कमला नेहरू मेमोरियल हॉस्पिटल, विक्टोरिया कॉलेज और चित्तरंजन कैंसर हॉस्पिटल खोलने में अहम भूमिका निभाई. डॉ राय का मानना था कि केवल एक स्वस्थ व्यक्ति जो मन और शरीर से मजबूत हो, वह ही भारत की स्वतंत्रता यानी स्वराज प्राप्त करने का सपना देख सकता है. आधी आबादी के स्वास्थ्य के लिए उन्होंने कई कदम उठाए थे. उन्होंने सभी वर्गों और समुदायों की महिलाओं को आगे आकर उनके और उनकी टीम द्वारा शुरू किए गए सेवा सदन में चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया. इतना ही नहीं, महिलाओं को नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया. डॉ. राय महात्मा गांधी से लेकर जवाहरलाल नेहरू तक के डॉक्टर रहे.

डॉक्टर राय फिजिशियन होने के साथ-साथ सर्जन भी थे.ताउम्र चिकित्सा करने और इसकी व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए प्रयासरत रहे. 01 जुलाई 1962 को जब उनकी मृत्यु हुई तो उनके आवास को नर्सिंग होम में तब्दील कर दिया गया क्योंकि उन्होंने जीते जी ऐसी ही ख्वाहिश जाहिर की थी. इस अस्पताल का नाम उनकी मां अघोरकामिनी देवी के नाम पर रखा गया.

हम डॉक्टर्स डे न केवल डॉ. रॉय के सम्मान में मनाते हैं, बल्कि चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के अथक प्रयासों और मरीजों के प्रति समर्पण के लिए को भी इस दिन अपना सम्मान अर्पित करते हैं. डॉक्टर बिधान चंद्र राय की अपने पेशे में पारंगतता इस हद तक थी कि मरीज की बीमारी जांच से बाद में पुष्टि होती, वे उससे पहले ही उसका चेहरा और नाड़ी देखकर ही उसका मर्ज और इलाज बता देते थे. डॉ. बिधान चंद्र रॉय ने केवल महानचिकित्सक थे, बल्कि जनता के लिए समर्पित राजनेता भी रहे. यही कारण है कि उन्हें बंगाल का निर्माता भी कहा जाता है.

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. रोहित लाल
MBBS, D.Ortho, DNB (Ortho), MNAMS
Fellow, Joint Replacement and Arthroscopic Surgeries, Sportsmed Hospital, Adelaide, Australia
डॉ. लाल अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर
Near Kadru Over Bridge,Kadru, Ranchi -2
Mob.: 7061117676, 7707005676

शिशु रोग विशेषज्ञ

डॉ.प्रकाश कुमार
एमबीबीएस, एमडी, पीएसीएच, एनएएलएस
पीएएसएस ट्रेन कंसल्टेंट एंड इंटेंसिविस्ट
शौर्या चिल्ड्रन हॉस्पिटल
आईटीआई बस स्टैंड के पीछे, लोहा सिंह मार्ग, इटकी रोड रांची, संपर्क: 7261824060

डेंटल सर्जन

डॉ. अर्चना सिंह
B.D.S (Hons.) Lucknow, Implantologist (Sweden)
Cert. Orthodontist F.A.F.O (Kerala)
Laser Dentist (Germany), Masters in Aesthetic Dentistry and Facial Harmony (SPAIN)
M.A.O.I., M.I.D.A.
CODS DENTAL HOSPITAL & IMPLANT CENTRE
2nd Floor, Sumati Bihar Complex, Karamtoli Road, Opp. Adivasi Hostel, Nagra Toli, Ranchi
Ph. : 08298113175

डॉक्टर्स डे 2024 की थीम

हर साल अलग-अलग थीम पर डॉक्टर्स डे सेलिब्रेट किया जाता है. इस साल राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 2024 की थीम 'हीलिंग हैंड्स, केयरिंग हार्ट्स' है. यह थीम डॉक्टर द्वारा अपने दैनिक अभ्यास में किए जाने वाले समर्पण पर जोर देती है. वह अपने जीवनकाल में लाखों लोगों की जान बचाने में भूमिका निभाते हैं, यह उनके कार्य की सराहना और मानव जीवन में डॉक्टर की भूमिका का सम्मान करती है.

बता दें कि गत वर्ष इसकी थीम थी 'सेलिब्रेटिंग रेजिलिएंस एंड हीलिंग हैंड'. कोरोना के कठिन काल के दौरान डॉक्टर्स के हौसलों , समर्पण, निष्ठा और अपनी जान की परवाह किए बिना दिन-रात मरीजों की सेवा करने के लिए उन्हें सम्मान देने पर यह थीम रखी गई है.

फर्टिलिटी कंसल्टेंट

डॉ. रूपाश्री पुरूषोत्तम
MBBS, DNB, (Obst & Gaynae)
IVF Specialist, Laparohysteroscopic Surgeon
अवेटा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर
तीसरी मंजिल, कृष्णा आर्केड, बूटी मोर, रांची-09, झारखंड, मोब0- 8252529345, 9155044322

लेप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रो सर्जन

डॉ. अविनाश कुमार झा
M.S. (General Surgery), FIAGES, FMAS
F.A.L.S. FNB (Minimal Access Surgery)
मेदान्ता हॉस्पिटल
मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल विवर्स अस्पताल, इरबा, रांची, मो.: 8447646055, 7869216632

हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ.सपन कुमार
MBBS (RIMS)
MS Ortho (UCMS & GTB Hospital,DU) DNB ORTHO
EX - SR (Safdarjung Hospital Delhi)
FIJR (Sant Parmanand Hospital, Delhi)
IOA FELLOW (Kolkata)
MASTER ORTHOPAEDIC CENTRE
Bargain Road, Bariatu, Ranchi, Mob.: 9110041461
Email: sapan2576@gmail.com

असाध्य, जीर्ण एवं जटिल रोगों के विशेषज्ञ

डॉ. उमा शंकर वर्मा
M.B.B.S, (RAN), M.D. (MED), D.M.S.(HOM)
Chief Medical Officer, University Hospital, BAU, Ranchi & Chief Executive Director
यू.एस. पॉलिक्लिनिक
1 केसी कॉम्पलेक्स, डिप्टीपाड़ा रोड, कचहरी चौक, रांची-1
मो.: 9835167743, 8797015126

गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ. देवनीस खेस
Managing & Medical Director
Sr. Consultant Rheumatology &
Clinical Immunology MBBS., MD
SHALBY DIVINE
SUPER SPECIALITY HOSPITAL
Old HB Road, Near Veterinary Hospital, Siramtoli, Ranchi, Mob. : 7280001050

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ. अरविंद चरण मंगल
Consultant Nephrologist Santevita Hospital, Ranchi
And Kidney Transplant Physician
MBBS MD (Medicine) RIMS, DNB (Nephrology)
किडनी हेल्थ क्लिनिक
Saher Height 3rd Floor, Above HDFC Bank, Bariatu
Ranchi Jharkhand-Mob.: 8212191200,6201474057

किडनी रोग विशेषज्ञ

डॉ अविनाश कुमार दुबे
MBBS (Gold Medalist), MD (Medicine)
DM Nephrology (JIPMER)
नेफ्रो केयर क्लिनिक
मां दुर्गा मेडिकल, ओंकार होटल के सामने, पिस्का मोड़, इटकी रोड, रांची, मो : 8102139781

पीएम नरेंद्र मोदी ने की मन की बात, बोले-

लोगों ने संविधान व लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में विश्वास दोहराया

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव करार देते हुए रविवार को कहा कि इसमें 65 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपना अटूट विश्वास दोहराया है. आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 111वीं कड़ी में देशवासियों के साथ अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कही. पीएम ने कहा, मैं आज देशवासियों को इस बात के लिए धन्यवाद भी देता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपना अटूट विश्वास दोहराया है. साल 2024 का चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था.

पीएम नरेंद्र मोदी

हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है

उन्होंने कहा, हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है. चाहे वह अमीर हो या गरीब, चाहे वह कामकाजी महिलाएं हों या घरेलू. इस अभियान ने मां के प्रति स्नेह जताने का समान अवसर दिया है. उन्होंने कहा,मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही, साथ ही धरती मां की भी रक्षा होगी. प्रधानमंत्री ने 30 जून को मनाये जाने वाले हूल दिवस' पर देशवासियों को बधाई दी और कहा देश के आदिवासी भाई-बहन इसे धूमधाम से मनाते हैं. उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानियों सिदो-कान्हू को याद करते हुए कहा कि इनका बलिदान आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है.

संथाली भाषा में एक गीत के कुछ अंश भी सुनाए

पीएम ने इन दोनों स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित संथाली भाषा में एक गीत के कुछ अंश की रिकॉर्डिंग भी लोगों को सुनायी. प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान पेरिस ओलंपिक का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई की भारतीय दल इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे. उन्होंने लोगों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए चीयर4भारत हैशटैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया. उन्होंने कहा, इस हैशटैग के जरिए हमें अपने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाना हैतो इस गति को बनाये रखिएआपकी ये गतिभारत का जादू दुनिया को दिखाने में मदद करेगी.

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नए सेना प्रमुख का पदभार संभाला

नयी दिल्ली । जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को 30वें सेना प्रमुख का पदभार संभाला. उन्होंने जनरल मनोज पांडे का स्थान लिया है. जनरल द्विवेदी को चीन और पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर कार्य करने का व्यापक अनुभव है. वह उप सेना प्रमुख के रूप में भी काम कर चुके हैं. जनरल द्विवेदी 19 फरवरी को सेना के उप प्रमुख का कार्यभार संभालने से पहले 2022-2024 तक उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रहे थे. रीवा के सैनिक स्कूल के छात्र रहे जनरल द्विवेदी 15 दिसंबर 1984 को भारतीय सेना की 18 जम्मू कश्मीर राइफल्स में शामिल हुए थे.

त्रिपुरा से 11 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला । वैध यात्रा दस्तावेज के बिना देश में प्रवेश कर रहे 11 बांग्लादेशी नागरिकों को अगरतला रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है. सिपाहीजाला जिले में बांग्लादेशी नागरिकों के अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर अगरतला रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में सवार होने की गोपनीय सूचना मिली थी, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया.

शारदा हाई स्कूल, बारदा, बाईडीह

हिन्दी दैनिक शुभम संदेश के स्थापना दिवस पर शारदा हाई स्कूल, बारदा, बाईडीह की ओर से ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं

हिंदी दैनिक शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन, कर्मचारियों औप सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विकास कुमार भगत
आप जिला सचिव लातेहार

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

विजय उरांव
आजसू जिलाध्यक्ष एसटी मोर्चा लोहरदगा जिला

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

उषा मिंज
प्रखंड विकास पदाधिकारी, लापुंग
आइए मिलकर लापुंग को आदर्श प्रखंड बनाएं ... गांव गांव में विकास की ज्योति जलाएं

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

परमेश्वर महतो
आजसू प्रखण्ड सचिव कुड़ू प्रखंड, लोहरदगा

दैनिक अखबार शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

राजू कुमार रजक
युवा प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय धोबी महासंघ झारखंड प्रदेश सह पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा झारखंड प्रदेश एवं दिशा सदस्य लोहरदगा जिला

दैनिक शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस के मौके पर अखबार प्रबंधन, कर्मियों व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

जिला अग्रवाल सम्मेलन
पूर्वी सिंहभूम

संदीप मुरारका
अध्यक्ष

अभिषेक अग्रवाल 'गोल्डी' महासचिव

पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन

हिंदी दैनिक शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस पर अखबार प्रबंधन व सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

Providing
HOSTEL FACILITY
in the Region for the past 30 years

MADHUSUDAN PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE, New Delhi upto 10+2

SALIENT FEATURES
- 7 Acres Wide Campus
- Separate Hostel Campus for Boys & Girls
- Special Coaching Classes for Residential Students
- Qualified and Well Experienced Teachers
- Authorized Academic Excellence Partner of Physics Wallah for JEE & NEET Preparation.

APPLY ONLINE
www.mpsckp.com
9955475737 | 9934534059

AERIAL VIEW OF MADHUSUDAN CAMPUS

ADMISSION OPEN
CLASS XI (SCIENCE & ARTS)
LIMITED SEATS

Asantalia, Chakradharpur, W. Singhbhum, Jharkhand
9955475737 | 9934534059

हिंदी दैनिक शुभम संदेश के दूसरे स्थापना दिवस पर अखबार प्रबंधन व परिवार और सुधि पाठकों को हार्दिक बधाई व ढेर सारी शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक
पिपरवार
रांची, झारखंड

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)